M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू. ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

दैनिक धनुष धारी

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-33, अंक 48, उल्हासनगर, गुरूवार 22 जनवरी 2026 (पृष्ठ 6) | Mob. No. 9325937797 | E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com | Post Regd No.THC/111/2024-2026 RNI No. 68359/93,

dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

उल्हासनगर : महापौर को लेकर सस्पेंस बरकरार

बयान कुछ और, ज़मीनी हकीकत कुछ और...

40 नगरसेवकों के गट पंजीकरण के साथ शिवसेना अकेले सत्ता गठन की ओर?

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर और कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिकाओं में महापौर पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। एक ओर कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने बुधवार, 21 जनवरी को पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि महापौर, उपमहापौर या किसी भी समिति अध्यक्ष का फैसला शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण आपसी सहमति से करेंगे, वहीं दूसरी ओर उल्हासनगर की ज़मीनी राजनीति कुछ अलग ही तस्वीर पेश कर रही है।

डॉ. श्रीकांत शिंदे ने अपने बयान में कहा कि यह सोचना ठीक नहीं है कि भाजपा को किनारे कर सत्ता स्थापित की जाएगी। उनके अनुसार कल्याण-डोंबिवली और उल्हासनगर, दोनों महानगरपालिकाओं में महायुति का ही महापौर होगा और किस शहर में किस दल का महापौर बैठेगा, इसका निर्णय वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कल्याण-डोंबिवली में भाजपा, शिवसेना और मनसे मिलकर सत्ता स्थापना करेंगी, जबकि उल्हासनगर में शिवसेना, भाजपा, वंचित बहुजन आघाड़ी, साई पार्टी और अन्य सहयोगी दल साथ आकर सरकार बनाएंगे। हालांकि, इस बयान के उलट उल्हासनगर की ग्राउंड रियलिटी कुछ और ही संकेत दे रही है। यहां शिवसेना और भाजपा के स्थानीय नेतृत्व के बीच बीते दो-तीन महीनों में दूरी बढ़ती नजर आई है। जहां कल्याण-डोंबिवली में दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा, वहीं उल्हासनगर और नवी मुंबई जैसे शहरों में भाजपा और शिवसेना आमने-सामने चुनावी मैदान में उतरी थीं। यही कारण है कि उल्हासनगर में दोनों दलों के एकसाथ आने की संभावनाएं फिलहाल कमजोर दिखाई दे रही हैं।

चुनावी परिणामों के बाद से ही शिवसेना ने रणनीतिक रूप से अपने नवनिर्वाचित नगरसेवकों को लोणावला स्थित कालानी फार्महाउस में एकजुट रखा था। बुधवार, 21 जनवरी को शिवसेना के 36 नगरसेवक, साई पार्टी का एक नगरसेवक, एक निर्दलीय, वंचित बहुजन आघाड़ी के दो नगरसेवक इस तरह कुल 40 नगरसेवक एकसाथ कोकण भवन पहुंचे। इन्हें कांग्रेस के एक नगरसेवक का भी समर्थन मिलने की खबर है। कोंकण भवन में इन सभी नगरसेवकों का कोकण आयुक्त कार्यालय में आधिकारिक गट (दल) पंजीकरण कराया गया। इस दौरान अरुण आशान को गट नेता चुना गया। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, 40 नगरसेवकों के आधिकारिक गट पंजीकरण और गट नेता की नियुक्ति के साथ ही अब इस गट पर व्हिप कानून भी लागू हो गया है। यानी शिवसेना नेतृत्व द्वारा जिसे महापौर पद के लिए अधिकृत किया जाएगा, सभी नगरसेवकों को उसी के पक्ष में मतदान करना अनिवार्य होगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शिवसेना द्वारा की जा रही ये सभी गतिविधियां इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि पार्टी भाजपा द्वारा संभावित नगरसेवक तोड़ने की किसी भी कोशिश को पहले ही रोक देना चाहती है। ऊपर-ऊपर भले ही महायुति की एकता की बातें की जा रही हों, लेकिन उल्हासनगर और नवी मुंबई में भाजपा-शिवसेना का साथ आना फिलहाल संभव नहीं दिख रहा। कोकण भवन में गट पंजीकरण के लिए पहुंचे गट नेता अरुण आशान ने मीडिया से कहा कि उल्हासनगर में शिवसेना का महापौर शत-प्रतिशत बनेगा। उन्होंने कहा कि शिवसेना के 36 नगरसेवक, एक निर्दलीय, एक साई पार्टी, दो वंचित बहुजन आघाड़ी और एक कांग्रेस नगरसेवक का समर्थन पार्टी को प्राप्त है। 'हम विकास के मुद्दे पर एकजुट हुए हैं और हमारे पास स्पष्ट बहुमत है', उन्होंने कहा। गौर करने वाली बात यह रही कि अपने पूरे बयान के दौरान अरुण आशान ने भाजपा का उल्लेख तक नहीं किया, जिससे यह संकेत और मजबूत होता है कि उल्हासनगर में शिवसेना अपने मौजूदा सहयोगी दलों के साथ ही सत्ता स्थापना की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिसमें फिलहाल भाजपा की भूमिका नजर नहीं आ रही।

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर के शुभहस्ते

उल्हासनगर में श्री श्री रविशंकर विद्या मंदिर के नए भवन का भव्य उद्घाटन

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर कैंप 5, नेताजी चौक परिसर में सिंधु एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित श्री श्री रविशंकर विद्या मंदिर के नवनिर्मित भव्य भवन का उद्घाटन आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक एवं विश्वविख्यात आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के शुभहस्ते बड़े ही आध्यात्मिक और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में भक्तजन, अभिभावक, विद्यार्थी तथा आर्ट ऑफ लिविंग के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान परिसर में शांति, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

उद्घाटन समारोह के दौरान गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, मूल्य-आधारित शिक्षा और संस्कृति से जुड़ी शिक्षण पद्धति के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें संस्कार, नैतिक मूल्य और भारतीय संस्कृति का समावेश होना समाज के हित में अत्यंत आवश्यक है। गुरुदेव ने विद्यालय को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सिंधु एजुकेशन सोसायटी की सचिव रेखा ठाकुर की भूमिका सराहनीय रही। उनके मार्गदर्शन में पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और गरिमामय ढंग से संपन्न किया गया। इस अवसर पर उल्हासनगर के विधायक कुमार आयलानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ ही सिंधु एजुकेशन सोसायटी के उपाध्यक्ष हरनाम चांदवानी, रवीश वलेचा, ललित ठाकुर, अमर लाल जेठानी, कोषाध्यक्ष श्याम आहूजा सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद् और समाजसेवी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

संगठन, भरोसे और चुनावी दम का इनाम : अरुण आशान बने गट नेता

उल्हासनगर (नि.स.)। कोंकण आयुक्त के समक्ष शिवसेना व समर्थक 40 नगरसेवकों के गट नेता के रूप में अरुण आशान की नियुक्ति को केवल एक औपचारिक फैसला नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे पार्टी नेतृत्व द्वारा उनके संगठनात्मक कौशल, राजनीतिक निष्ठा और चुनावी प्रदर्शन का सीधा सम्मान माना जा रहा है। अरुण आशान, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के अत्यंत करीबी और विश्वस्त माने जाते हैं। यही नहीं, हालिया महानगरपालिका चुनाव में उन्होंने केवल रणनीति ही नहीं बनाई, बल्कि खुद मैदान में उतरकर अपना राजनीतिक दम भी साबित किया।

पैनल नंबर 14, जिसे अरुण आशान का पारिवारिक गढ़ माना जाता है, वहां उन्होंने एकतरफा जीत दर्ज कराई। इसके साथ ही उन्होंने पैनल नंबर 15 से भी चुनावी मैदान में उतरकर कई दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए पूरा पैनल बोडारे परिवार से छिनकर शिवसेना के नाम किया। इस तरह पैनल 14 और 15, दोनों पैनलों की कुल 8 में से 8 सीटें शिवसेना को दिलाने में अरुण आशान की भूमिका निर्णायक रही। अब गट नेता के रूप में अरुण आशान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि व्हिप लागू होने के बाद गट की एकजुटता बनाए रखना, महापौर चुनाव में पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार को विजय दिलाना और संगठनात्मक अनुशासन कायम रखना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। बहरहाल, अरुण आशान की यह नियुक्ति शिवसेना के भीतर मजबूत नेतृत्व और भविष्य की राजनीति का संकेत मानी जा रही है।

अमर शहीद हेमू कालानी अखंड हिंदुस्तान और सिंधियत की शान -तेजवानी

उल्हासनगर (नि.स.)। अमर शहीद हेमू कालानी के शहादत दिवस के अवसर पर उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन की ओर से फाउंटेन चौक स्थित शहीद हेमू कालानी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने प्रतिमा पर फूलमालाएं अर्पित कर अमर शहीद को नमन किया। इस अवसर पर उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश तेजवानी ने कहा कि हेमू कालाणी केवल सिंधी समाज ही नहीं, बल्कि अखंड हिंदुस्तान की शान हैं। उनका बलिदान देशभक्ति, साहस और त्याग की अमर मिसाल है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सुंदर डंगवानी, राजेश वधरिया, दीपक वाटवाणी, सिंधु राजपाल, प्रकाश गुरनानी, लाल पिंजाणी, राम दुदानी, अजय चिमनानी, हरेश निग्गु, धनवंती नागपाल, वध्वा गजवाणी, प्रदीप रुपानी, योगेश लीलानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शहीद हेमू कालानी के बलिदान को स्मरण किया और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

दो पहिया वाहन चालक ने मारी टक्कर

उल्हासनगर (नि.स.)। एक दो पहिया वाहन चालक ने यातायात नियमों का पालन नहीं करते हुए तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सामने से आ रहे दो पहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी जिससे वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार कल्याण-मुरबाड रोड, म्हारल गाँव में रहने वाले कृषाणु मैती ने म्हारल गाँव निवासी युवक संदीप थावट के खिलाफ उल्हासनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवायी है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 25 दिसंबर 2025 की रात करीब पौने बारह बजे वे अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से जा रहे थे, तब उल्हासनगर के कैंप 1, सुनील चौक से धोबी घाट रोड, हनुमान मंदिर के पास फक्कड़ मंडी चौक पर वह अपने दो पहिया वाहन क्रमांक एमएच-03-बीजेड-0884 पर ट्रिपल सीट और तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। बहरहाल आगे की जाँच पुलिस उपनिरीक्षक ज्ञानेश्वर माली कर रहे हैं।

उल्हासनगर मनपा का डिजिटल कदम, 'यूएमसी कनेक्ट' मोबाइल ऐप लॉन्च

उल्हासनगर (नि.स.)। महाराष्ट्र सरकार के डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटी कॉन्सेप्ट के तहत, उल्हासनगर महानगरपालिका ने मंगलवार को आधिकारिक तौर पर अपना मोबाइल ऐप लॉन्च किया, जिसका मकसद नागरिक-केंद्रित प्रशासन को ज्यादा कुशल, पारदर्शी और तेज़ बनाना है।

उल्हासनगर मनपा के जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर कनेक्ट ऐप नागरिकों को समय पर जानकारी और सेवाओं तक तुरंत पहुँच प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण टूल साबित हो रहा है। इस मोबाइल ऐप के ज़रिए, नागरिक प्रॉपर्टी टैक्स और पानी के टैक्स के पेमेंट की जानकारी पा सकते हैं, अलग-अलग तरह की शिकायतें रजिस्टर कर सकते हैं और उनका स्टेटस ट्रैक कर सकते हैं, लाइसेंस और सर्टिफिकेट के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं, और स्वास्थ्य, स्वच्छता, और नगर निगम की अलग-अलग योजनाओं और पहलों के बारे में जानकारी, सब कुछ एक ही प्लेटफॉर्म पर पा सकते हैं।

*** एक क्लिक पर पूरी सेवाएँ**

यह ऐप नागरिकों को प्रॉपर्टी और पानी के टैक्स के बारे में सूचित करता है, और उन्हें आसानी से अपने पेमेंट को ट्रैक करने की सुविधा देता है। शिकायत रजिस्ट्रेशन सिस्टम आसान हो गया है, और शिकायतों का स्टेटस एक रेफरेंस आईडी का इस्तेमाल करके ऑनलाइन चेक किया जा सकता है। इससे नागरिकों को ऑफिस जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है।

यह ऐप प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद को मजबूत करेगा और सेवा वितरण में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने में बहुत मदद करेगा। यह नागरिकों का समय और मेहनत बचाएगा, और मनपा के कामकाज में आधुनिक टेक्नोलॉजी के प्रभावी इस्तेमाल को सुनिश्चित करेगा।

इस मौके पर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने कहा, 'उल्हासनगर शहर के चौतरफा विकास के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना समय की ज़रूरत है। नागरिकों को उनके घरों में आराम से सेवाएँ प्रदान करना और प्रशासन को ज्यादा जवाबदेह बनाना इस मोबाइल ऐप का मुख्य उद्देश्य है।' उल्हासनगर मनपा शहर को डिजिटल युग में ले जाने में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुँच गया है। आधिकारिक मोबाइल एप्लिकेशन 'यूएमसी कनेक्ट' के ज़रिए, मनपा ने नागरिकों और प्रशासन के बीच की दूरी को कम किया है और दो-तरफ़ा कम्युनिकेशन का एक नया दरवाज़ा खोला है। यह ऐप सिर्फ़ एक तकनीकी सुविधा नहीं है, बल्कि नागरिक भागीदारी के लिए एक स्थायी प्लेटफॉर्म है। प्रशासन और नागरिकों के बीच कम्युनिकेशन, सुविधाओं और सेवाओं का डिजिटलीकरण बदलाव लाने की दिशा में एक ठोस कदम है। उल्हासनगर अब 21वीं सदी की ज़रूरतों के हिसाब से स्मार्ट बन रहा है। यह मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर पर मुफ्त में उपलब्ध है और उल्हासनगर मनपा उल्हासनगर के सभी नागरिकों से इस ऐप को डाउनलोड करने और मनपा द्वारा दी जाने वाली विभिन्न डिजिटल सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह करता है।

कल्याण-डोंबिवली: महायुति से जुड़ेगा 'इंजिन'

सांसद शिंदे का मिशन मुंबई-उल्हासनगर भी तैयार

कल्याण/नवी मुंबई (सनी पांडेय)। महाराष्ट्र की सियासत में दोस्ती और दांवपेच का नया अध्याय शुरू हो गया है. कल्याण-डोंबिवली की सत्ता पर काबिज होने के लिए महायुति ने मनसे के साथ हाथ मिला लिया है. सांसद श्रीकांत शिंदे ने इस गठबंधन पर मुहर लगाते हुए कहा कि मनसे का साथ मिलना शहर के विकास के लिए एक बड़ा कदम है. उन्होंने विरोधियों को स्पष्ट संकेत दिया कि यह केवल एक मनपा की बात नहीं है, बल्कि उल्हासनगर से लेकर मुंबई महानगरपालिका तक महायुति का ही भगवा लहराएगा. शिंदे के मुताबिक, भाजपा और उनके बीच कोई होड़ नहीं है, बल्कि लक्ष्य केवल स्थिरता और विकास है।

ठाकरे गुट के लिए खुला ऑफर

श्रीकांत शिंदे ने अपनी रणनीति में लचीलापन दिखाते हुए यहाँ तक कह दिया कि यदि ठाकरे गुट के नगरसेवक भी विकास की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते हैं, तो उनके लिए दरवाजे खुले हैं. मनसे नेता राजू पाटील के साथ अपनी व्यक्तिगत मित्रता का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब उद्देश्य शहर की भलाई हो, तो साथ आने में कोई बुराई नहीं है. अब सबकी नजरें इस पर टिकी हैं कि वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद महापौर की कुर्सी पर कौन विराजमान होगा. शिंदे ने आत्मविश्वास के साथ कहा कि महायुति के घटक दलों में कोई मतभेद नहीं है और सब कुछ आपसी सहमति से तय हो रहा है।

संपादकीय

चाइनीज मांझे पर सख्ती से आगे की राह

बरसों से मकर संक्रांति और पतंग उड़ाने का उत्सव भारत के हर कोने में धूमधाम से मनाया जाता रहा है। लेकिन, हाल के वर्षों में यह पारंपरिक शौक जानलेवा बन गया। चाइनीज मांझा, जो कांच और धातु के जहरीले मिश्रण से बना होता है, गर्दन रेत रहा है, आंखें फोड़ रहा है और कई बार मौत का पैगाम लेकर आ रहा है। इंदौर, दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों में ऐसी घटनाएं आम हो गईं, जहां साधारण पतंगबाजी दुर्घटना में बदल गई। प्रशासन ने प्रतिबंध लगाया, पुलिस सक्रिय हुई, लेकिन क्या यह काफी है! समस्या की जड़ चाइनीज मांझे के उत्पादन और आयात में है, जिसे रोकना होगा। केवल बिक्री और खरीद पर रोक से यह काला बाजार खत्म नहीं होगा। चाइनीज मांझे की खतरनाक प्रकृति समझना जरूरी है। पारंपरिक मांझा सूत पर कांच का लेप होता था, जो पर्यावरण-अनुकूल और कम घातक था। लेकिन, चीन से आयातित यह मांझा प्लास्टिक कोटिंग के साथ कांच, एल्युमिनियम और कभी-कभी ब्रोमीन जैसे रसायनों से बना होता है। यह इतना तेज होता है कि बाइक सवारों की गला काट देता है, पक्षियों को मार गिराता है और इंसानों को गंभीर चोटें पहुंचाता है। हाल के सालों में मध्य प्रदेश में दर्जनों ऐसे मामले सामने आए, जहां पतंगबाजी के दौरान लोग शिकार बने। एनजीटी ने भी इसे पर्यावरण के लिए हानिकारक घोषित किया। फिर भी, सस्ते दाम और आसानी से उपलब्धता के कारण इसका चलन बढ़ता जा रहा है। प्रशासन प्रतिबंध लगाता है, लेकिन स्थानीय बाजारों में 'चीनी धागा' या 'सुपर मांझा' नाम से यह बिकता रहता है। क्योंकि, प्रशासनिक प्रयासों की कमी है। मकर संक्रांति से पहले पुलिस अभियान चलाती है, दुकानों पर छापे मारती है, लाखों मीटर मांझा जब्त करती है। इंदौर में चाइनीज मांझा पकड़ा गया। लेकिन प्रतिबंध केवल सतही हैं। दंड संहिता के तहत जुर्माना या जेल की धमकी दी जाती है, पर अमल ढीला रहता है। विक्रेता छोटे-छोटे ठेले या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचते हैं, जबकि खरीदार उत्सव की धूम में लापरवाह हो जाते हैं। समस्या यह है कि प्रतिबंध बिक्री और उपयोग तक सीमित हैं, स्रोत तक नहीं पहुंचते। चाइनीज मांझा मुख्यतः चीन के गुआंगझू और यिवू जैसे बाजारों से भारत आता है, जो ई-कॉमर्स, अनौपचारिक आयात या स्थानीय नकली उत्पादन के जरिए देश में घुसता है। कस्टम विभाग जब्ती करता है, लेकिन मात्रा विशाल है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में सालाना करोड़ों मीटर चाइनीज मांझा आता है। इसके समाधान के लिए बहुआयामी रणनीति जरूरी है। सबसे पहले, स्रोत पर चोट करनी होगी। विदेश व्यापार महानिदेशालय को चाइनीज मांझे के आयात पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, जैसा कि प्लास्टिक प्रदूषण पर हुआ। कस्टम्स को विशेष निगरानी यूनिट गठित करनी चाहिए, जो डाक, कूरियर और ऑनलाइन आयात पर नजर रखे। स्थानीय स्तर पर नकली उत्पादन रोकने हेतु फैक्ट्रियों की जांच अभियान चलाएं। केवल दमन से काम नहीं चलेगा; जागरूकता अभियान जरूरी हैं। स्कूलों, कॉलोनियों में वर्कशॉप आयोजित कर पारंपरिक मांझे का प्रचार करें। 'चीनी मांझा मुक्त संक्रांति' जैसे कैंपेन चलाकर विक्रेताओं को वैकल्पिक रोजगार दें, जैसे जैविक मांझा निर्माण। मध्य प्रदेश सरकार में कुछ हद तक सख्ती तो हुई, पर इतनी प्रभावी नहीं कि ऐसे जानलेवा मांझे पर रोक लग सके। कानूनी सख्ती के साथ सामाजिक भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। एनजीओ और समाजसेवी क्लब और पक्षी संरक्षण वाले संगठनों को सक्रिय किया जाए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो दिखाकर खतरे का अहसास कराएं। यदि स्रोत रोका गया, तो बिक्री खुद कम हो जाएगी। उदाहरण यह है कि गुजरात में सामुदायिक प्रयासों से चाइनीज मांझा 70% कम हुआ। केंद्र सरकार को 'पतंग नीति' बनानी चाहिए, जो आयात से उत्पादन तक नियंत्रित करे। यह केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं। उत्सव की खुशी में सुरक्षा का ध्यान रखें। चाइनीज मांझा रोकना है तो स्रोत को सुखाना होगा, न कि केवल पेड़ के पत्ते काटना। तभी हमारा पारंपरिक शौक फिर से सुरक्षित बनेगा।

संपादक,टीकम लालवानी

असहिष्णु पीढ़ी से नाउम्मीद होता भारत

भारतीय पढ़े-लिखे लोगों में असहिष्णु मन कुछ ज्यादा ही हावी होने लगे हैं। किसी को भी धैर्य नहीं है। सब अधीर हो रहे हैं। इस प्रकार का वातावरण पहले विश्वविद्यालय कैम्पस में नहीं होते थे। लोगों के भीतर सहन-शक्ति तो होती ही थी। वे अपने आपको प्रतिबद्ध करके कार्यक्रम में मनोयोग से बैठे होते थे। अब देश में विश्वविद्यालय कैम्पस बहुत ही शोर व अधीर से हो गए हैं। इस देश में विश्व गुरू बनते विश्वविद्यालयों की अब यह हालत देखकर लगता है कि इनकी रैंकिंग अब अपनी अधीरता के मापांक पर पहले हो जाएगी और पठन-पाठन, शोध व साधना के लिए विश्व में 500वीं रैंक से बाहर हो जायेगी।

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

बीते दिनों गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में एक साहित्यिक संगोष्ठी के दौरान जिस प्रकार की असहिष्णुता सामने आई, वह किसी को भी अप्रिय लगेगी। विश्वविद्यालय की अपनी गरिमा होती है। उसके अपने अनुशासन होते हैं। विश्वविद्यालय कैम्पस में शिक्षार्थी, शोधार्थी और प्रशासन के लोगों का अपना आकाश होता है। इस विद्या मंदिर में कुलपति जी का अपना एक औरा होता है। किसी विश्वविद्यालय कैम्पस में कार्यक्रम की भी अपनी गरिमा होती है। लेकिन जहाँ सभी लोग पढ़े-लिखे बैठे थे, वहीं से एक ऐसी वीडियो वायरल हुई जो देश में चर्चा की विषय बन गयी। चर्चा होती भी क्यों नहीं बात ही कुछ इस प्रकार की उस सभागार में हो गयी।

भारतीय पढ़े-लिखे लोगों में असहिष्णु मन कुछ ज्यादा ही हावी होने लगे हैं। किसी को भी धैर्य नहीं है। सब अधीर हो रहे हैं। इस प्रकार का वातावरण पहले विश्वविद्यालय कैम्पस में नहीं होते थे। लोगों के भीतर सहन-शक्ति तो होती ही थी। वे अपने आपको प्रतिबद्ध करके कार्यक्रम में मनोयोग से बैठे होते थे। अब देश में विश्वविद्यालय कैम्पस बहुत ही शोर व अधीर से हो गए हैं। इस देश में विश्व गुरू बनते विश्वविद्यालयों की अब यह हालत देखकर लगता है कि इनकी रैंकिंग अब अपनी अधीरता के मापांक पर पहले हो जाएगी और पठन-पाठन, शोध व साधना के लिए विश्व में 500वीं रैंक से बाहर हो जायेगी। देश में यह माहौल उस समय पनपा है जब देश के प्रधान मंत्री प्रत्येक दिन भारत के विकसित होने की बात कर रहे हैं और वह यह चाहते हैं की 2047 तक कम से कम भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुँच जाए। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की अब बात की जाए तो वहां जो कुलपति द्वारा एक नामचीन साहित्यकार को सभागार छोड़कर जाने को कहा गया उस पर बहुत ही गंभीर तरीके से प्रतिक्रिया अखिल भारतीय स्तर पर दर्ज की गयी। ऐसा लगा की यह ऑपरेशन सिंदूर की भांति गोले-तोप व मिसाइल से हमले शुरू हो गए हैं। लंबी पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब लिखी गयी। अधिकांश सोशल मीडिया पर लिखी गयी टिपण्णी मनोज रूपड़ा के पक्ष में लिखे गए और कुलपति प्रो। आलोक चक्रवाल के खिलाफ प्रकाशित की गयी। अधिकांश बौद्धिक समाज कहलाने वाला वर्ग रूपड़ा को संयमित, विनम्र और सही टिपण्णी करने के लिए स्मरण किया और उनकी पीठ थपथपाई। कुलपति के खिलाफ जितनी भी बातें हो सकती थी, सब कह दिया। कुछ लोग कुलपति चक्रवाल के अतीत को झांकना, कुछ निकालना और उस पर बरसना शुरू कर दिए। एक लंबा जीवन जीकर कोई भी कुलपति बनता है तो छोटे-बड़े उतार चढ़ाव के बाद ही इस पद तक पहुँचता है। उसके जीवन के अनेक ऐसे पल होते हैं जो संघर्ष, आरोप-प्रत्यारोप में बीते होते हैं। अब भला कौन सा व्यक्ति ऐसा है जिसे डिटर्जेंट में धोकर सरकारें कुलपति बनाती हैं। सभी के ऊपर कोई न कोई आरोप लगाने वाला होता है और कोई न कोई काम नहीं होने देने के सौगंध के साथ कुछ नहीं करेगा तो उसकी कैसे फजीहत हो सकती है, इसके पीछे पूरी ऊर्जा खपत करता है। ऐसी स्थिति में सरकारें जब कुलपति की नियुक्ति करेगी तो कहाँ से कुलपति लाएगी, आकाश से, एआई से या पाताल से क्योंकि पृथ्वी के लोगों में गुण और दोष तो उनके जीवन का हिस्सा होते हैं।

खैर, उस दिन जो कार्यक्रम था वह साहित्य अकादमी के सहयोग से हो रहा था। हिंदी विभाग आयोजक था स्थानीय स्तर पर और स्वाभाविक रूप से कुलपति प्रो। आलोक चक्रवाल उस कार्यक्रम में किसी न किसी रूप में सम्मिलित होंगे। एक कुलपति के अपने जीवन के प्रसंग भी होते हैं, उसे उन्होंने सुनना शुरू किया और उनके मन में जब थोडा देरी होने पर एक बात आई कि और वह भी स्वतःस्फूर्त ही लगी कि उन्होंने पूछा कि क्यों आप बोर तो नहीं हो रहे हैं? इस पर तपाक से कहानीकार मनोज रूपड़ा ने कह दिया विषय पर आप आइये तो अच्छा होता। मनोज रूपड़ा को यह कदाचित नहीं बोलना चाहिए था। जिस कैम्पस में आप बैठे हैं उस कैम्पस के मुख्य अधिकारी प्रशासनिक व अकादमिक रूप से कुलपति ही होते हैं। उन्हें इतनी प्रिविलेज होती ही है कि वह चाहे जितना समय लें, लेकर बोलें। लेकिन मनोज रूपड़ा को लगा की वह अपने लेखक मंडली में बैठे हैं और जो उनके मन में है वह दोस्त से बात कर रहे हैं। यह बात उन्हें अपने समकक्ष लोगों के साथ बोलते हुए सुनना अच्छा लगता है लेकिन कुलपति के लिए उनका इस प्रकार कहना किसी भी प्रकार से उचित नहीं था। उन्हें इस बात का भान अगर होता कि वह एक ऐसे सभागार में बैठे हैं जिसका संरक्षक प्रशासकीय व अकादमिक रूप से कुलपति ही है तो वह यह नहीं बोलते लेकिन लेखकों की बिरादरी भी अपनी मर्यादा कभी कभी भूल जाती है और वह कुछ भी बोल जाती है, यह एक सचाई है।

विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी संगोष्ठी व सम्मेलन में प्रतिभागिता करते हुए लेखक हों या कोई सरकार में मंत्री व प्रशासन के लोग सबको यह ख्याल रखना चाहिए कि यह उनकी अपनी सर्किल नहीं है अपितु यह एक अकादमिक स्थल है और अकादमिक स्थल में विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक हैं। उन पर हमारे बोलने का असर होगा। हम मर्यादित होकर गरिमा के अनुकूल संसदीय व शिष्ट ही होकर पेश आयें। लेकिन असहिष्णु व बेचैन इस समय की कोई भी कम्युनिटी हो यह नहीं सोच रही है कि वह कहाँ बैठी है और क्या बोल रही है। उसके आचरण किसको प्रभावित करने जा रहे हैं। प्रायः हमने कई कार्यक्रमों में देखा कि जो भी ऑडियंस है वह बार-बार अपनी मोबाईल देखती है। शिक्षक भी देखते हैं और कुलपति भी। इतनी अगर आपके पास समय की कमी है और आप इतने ही व्यस्त हैं तो ऐसी कार्यक्रमों में जाने की ज़रूरत नहीं है। प्रधान मंत्री भी प्रत्येक दिन कार्यक्रम में रहते हैं और वह मोबाईल देखा करें तो कभी भी वह इतने सारे कार्यक्रमों में न जा सकेंगे और न कुछ बोल सकेंगे न ही उस कार्यक्रम की गरिमा ही रहेगी। अब सोचने वाली बात यह है कि क्या ये जो लोग बार-बार अपनी मोबाइल से खुद व अपने आस-पास के लोगों को प्रभावित करते हैं, वे प्रधान मंत्री से भी अधिक विजी हैं?

इस बेचैन, अधीर और असहिष्णु खेप से तो भारत का भला होना नहीं है, एक बात तो तय है। कुलपति प्रो। चक्रवाल को भी थोडा सा संयम दिखाना चाहिए था लेकिन अगर वे उस सभागार में छोड़ देते मनोज रूपड़ा को कुछ बिना कहे तो वह जिंदगी भर यह कहते कि हम गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में गए थे और कुलपति ने मुझसे पूछा तो हमने तो वहीं उनको लताड़ दिया था। इसलिए भी चक्रवाल ने जो कहा वह उचित है और विश्वविद्यालय परिसर में किस प्रकार की बातें होनी चाहिए और किस तरह की नहीं होनी चाहिए उस पर उनका एक प्रशासनिक तरीके का सन्देश है जिसे किसी दबाव में आकर एकदम से गलत भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन सहिष्णुता कैसे कायम होगी, इस पर हमारी चिंता आज बढ़ गयी है और देश का भला कैसे होगा अब यह भी चिंता का विषय है क्योंकि आज की पीढ़ी जिस प्रकार से एक-दूसरे के साथ पेश आ रही है वह देश हित में तो नहीं है।

अध्यात्म

एकाग्रता को जीवन का आधार बनाएं

आज हमारा मन मोबाइल, सोशल मीडिया और अनावश्यक सूचनाओं में बंटा रहता है। विवेकानंद जी सिखाते हैं कि जब तक मन एक जगह टिकता नहीं, तब तक ज्ञान स्थायी नहीं होता। रोज कम से कम 15-20 मिनट एकाग्र होकर किसी एक कार्य पर ध्यान केंद्रित करें, ऐसा करने से एकाग्रता बढ़ेगी। ये किस्सा उन दिनों का है, जब स्वामी विवेकानंद देश के अलग-अलग हिस्सों में घूम रहे थे। उनके साथ उनके एक गुरु भाई भी रहते थे। स्वामी जी का जीवन स्वाध्याय, सत्संग और कठोर तप से भरा हुआ था। जहां भी जाते, वहां का वातावरण नहीं, बल्कि वहां का ज्ञान भी उन्हें आकर्षित करता था। किसी नई जगह पहुंचते ही उनकी पहली खोज होती थी - कोई अच्छा पुस्तकालय। एक स्थान पर उन्हें एक पुस्तकालय मिला, वहां पहुंचकर विवेकानंद जी ने सोचा कि यहां कुछ दिन रुककर अध्ययन किया जाए। रोज उनके गुरु भाई पुस्तकालय से संस्कृत और अंग्रेजी की मोटी-मोटी किताबें लाते। अगले दिन विवेकानंद जी उन्हें पढ़कर लौटा देते। ये क्रम कई दिनों तक चलता रहा। इतनी जल्दी-जल्दी किताबों का आना-जाना देखकर पुस्तकालय का अधीक्षक (लाइब्रेरियन) चकित रह गया। उसे लगा कि शायद ये किताबें केवल देखने के लिए ले जाई जाती होंगी। एक दिन उसने स्वामी जी के गुरु भाई से कहा कि इतनी भारी किताबें रोज क्यों ले जाते हैं? अगर देखनी ही हैं तो यहीं देख लीजिए। गुरु भाई ने शांत स्वर में उत्तर दिया कि आप गलत समझ रहे हैं। स्वामी विवेकानंद इन पुस्तकों को पूरी गंभीरता से पढ़ते हैं। ये सुनकर लाइब्रेरियन और भी हैरान हुआ और उसने विवेकानंद जी से मिलने की इच्छा जताई। अगले दिन जब भेंट हुई, तो स्वामी जी ने कहा कि महाशय, मैंने न केवल इन पुस्तकों को पढ़ा है, बल्कि इन्हें याद भी कर लिया है। ये कहकर उन्होंने कुछ किताबों के अंश शब्दशः सुना दिए। लाइब्रेरियन हैरान रह गया। उसने पूछा कि इतनी अद्भुत स्मरण शक्ति का रहस्य क्या है? स्वामी विवेकानंद मुस्कराए और बोले कि जब मन पूरी तरह एकाग्र होता है, तो ज्ञान स्वयं मन पर अंकित हो जाता है। ध्यान और निरंतर अभ्यास से मन की धारण शक्ति बढ़ती है। ध्यान यानी मेडिटेशन केवल आध्यात्मिक अभ्यास नहीं, बल्कि मानसिक प्रशिक्षण है। नियमित रूप से ध्यान करने से मन शांत होता है, स्मरण शक्ति बढ़ती है और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है। सुबह या रात का समय ध्यान के लिए सबसे अच्छा होता है।

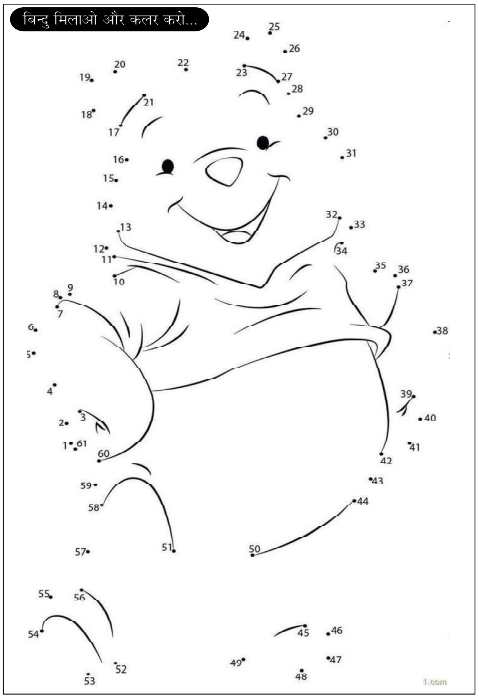

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

वर्ग पहेली 5781

संकेत: बाएं से दाएं

1. केवल महिलाओं हेतु विश्व का सबसे बड़ा विश्व विद्यालय इस देश में स्थापित है (6)
7. यह मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कृति है जिस पर फिल्म (1966) निर्माण हुआ है (3)
8. सारी दुनिया का उलट-पलट (4)
9. भरोसा, विश्वास, यकीन (4)
11. किसी वस्तु, जगह आदि के अंदर (अंग्रेजी)(2)
12. बतौर नायक-नायिका यह ऋषि कपूर-डिंपल कपाड़िया की पहली फिल्म थी (2)
13. यह ब्रिटेन देश का राष्ट्रीय पुष्प है, इसे अंग्रेजी में रोज कहते है (3)
14. चैत्र माह की फसल (2)
15. बलिदत्त, जिसे युद्ध में प्राण त्याग दिए हों (3)
16. जितना समय लगना चाहिए उससे अधिक समय, विलंब (2)
19. पैगंबर, ईशदूत, रसूल (2)
20. तुषार पात, अंतरिक्ष जल (2)
21. बृहत्तर एंटिलीज के सबसे बड़े द्वीप क्यूबा की यह राजधानी है (3)
22. वर्षद, जलदाता, नीरद (3)

ऊपर से नीचे

1. तटवर्ती प्रवाहहीन जल (3)
2. उकताहट, बैचेन, मनोरंजनहीन (2)
3. यशस्वी मुगल सम्राट अकबर द्वारा चलाया धर्म (6)
4. क्षेत्रफल, अहाता (3)
5. सचल वायु, अलमस्त हवा, बहती हवा (3)
6. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
10. यह गोविंदा अभिनीत पहली फिल्म थी (5)
12. धर्मेंद्र के अभिनेता पुत्र (5)
13. बदख्वाह, जिसके मन में कुछ और मुंह पर कुछ हो (उर्दू)(2)
17. कच्चा आहार पदार्थ, सामान, पूति (3)
18. एक शब्द जिसके द्वारा वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त किसी तीसरे मनुष्य का संकेत किया जाता है (4)

वर्ग पहेली 5780 का हल

र	वी	न्द्र	ना	थ	टे	गो	र
च	र		पा	ल	क		म
ना	ग	लो	क		ल	प	क
	ति	न		रो		ह	
मे			स	म	का	ली	न
घ	ब	रा	ना		का	ति	ल
दू	ना		त	ल		थि	
त	व		न	व	ल		

रास्ता खोजो...

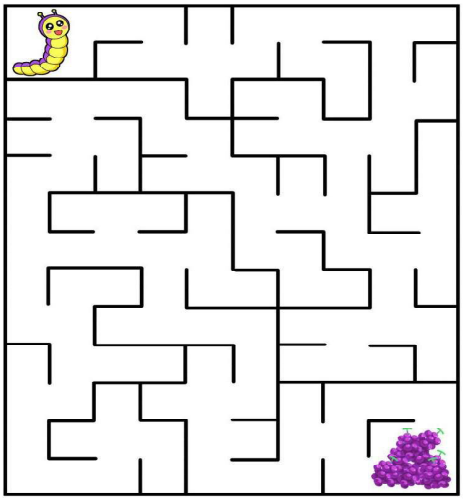

Reliance
AUTHORISED
Konark
Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge **50 TON**
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

टूटे हुए कांच के टुकड़ों का कुछ इस तरह से करें रियूज

अक्सर हम सभी टूटे हुए कांच के टुकड़ों को फेंक देते हैं। लेकिन अब जब भी आपको टूटे हुआ कांच मिले तो उसे फेंकने की बजाय उसका नए तरीके से इस्तेमाल करें। आप कांच के टुकड़ों से कई चीजें बना सकती हैं और पुरानी चीजों को नया लुक भी दे सकती हैं। जी हां, यह एक दम सच है। आज हम आपको बताएंगे कि आप टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आप क्या-क्या बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

फ्रेम बनाएं

अगर आप टूटे कांच को फेंक देती हैं तो अगली बार ऐसा न करें क्योंकि आप टूटे हुए कांच से घर की दीवारों को सजा सकती हैं। जी हां, आप कांच के टूटे हुए टुकड़ों से एक बेहद ही सुंदर फ्रेम बना सकती हैं। यह फ्रेम आपके घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाएगा। साथ ही कुछ सावधानियां बरतते हुए आप आसानी से कांच से फ्रेम बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

आवश्यक सामान

- कैनवास
- कांच के टूटे हुए टुकड़े
- फैब्रिक पेंट
- ग्लू

बनाने का तरीका

- कांच के टूटे हुए टुकड़ों से फ्रेम बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कैनवास चाहिए होगा। आप कैनवास का साइज अपने घर की दीवार के हिसाब से चुन सकती हैं।
- इसके बाद फ्रेम को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए आपको कांच के टुकड़ों को पेंट करना होगा।
- कांच के टुकड़ों को अलग-अलग कलर्स से पेंट कर लें।
- पेंट करने के बाद उन्हें सूखने के लिए कुछ देर हल्की धूप में रख दें।
- जब कांच पर पेंट सूख जाएं इसके बाद व्हाइट कैनवास पर इन्हें ग्लू की मदद से चिपका लें।
- आप चाहें तो कांच के टुकड़ों को किसी पैटर्न में भी चिपका सकती हैं। इससे आपका फ्रेम मीनिंगफुल लगेगा
- लीजिए तैयार है आपका कांच के टुकड़ों से बना फ्रेम।

टेबल टॉप सजाएं

अगर आप फर्नीचर पुराना हो गया है तो आप अपने टेबल की टॉप को कांच के टुकड़ों से सजा सकती हैं। इससे आपके टेबल टॉप को नया लुक मिल जाएगा और अब आप दोबारा इसका इस्तेमाल कर पाएंगी। चलिए जानते हैं कैसे सजाएं कांच के टुकड़ों से टेबल टॉप को।

आवश्यक सामान

- कांच के टुकड़े
- ग्लू
- टेबल

बनाने का तरीका

- अगर आपका टेबल पुराना हो गया है तो उसे नया लुक देने के लिए आप कांच के टुकड़ों से टेबल के टॉप को सजा सकती हैं।
- इससे आपके टेबल को एक नया लुक मिलेगा।
- टेबल टॉप को सजाने के लिए सबसे पहले लकड़ी के टेबल पर ग्लू की गद्दर से कांच के टुकड़ों को चिपका ले।
- आप कांच के टुकड़ों को किसी भी तरीके से चिपका सकती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका नया टेबल टॉप।

गमला सजाएं

अब आपको बाजार से महंगे और रजावटी गमले खरीदने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अब आप बेहद ही कम पैसे खर्च करके आसानी से घर पर गमले को सजा सकती हैं। आप कांच के टुकड़ों से गमला भी सजा सकती हैं। इसके लिए बस आपको कोई पुराना गमला चाहिए होगा। चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाता है।

आवश्यक सामान

- गमला
- कांच के टुकड़े
- फ्रैबिक कलर्स
- ग्लू

बनाने का तरीका

- गमले को नया लुक देने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से साफ कर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि गमले के बाहरी हिस्से पर किसी भी प्रकार की गंदगी जमी नहीं होनी चाहिए।
- इसके बाद कांच के टुकड़ों को एक ही कलर से पेंट कर लें।
- एक ही रंग आपके गमले को और भी सुंदर बनाएंगे।
- पेंट करने और सूखने के बाद ग्लू की मदद से एक-एक करके कांच के टुकड़ों को गमले पर चिपका लें।
- इस प्रक्रिया को तब तक दोहराएं जब कि आप पूरे गमले पर कांच के टुकड़े नहीं चिपका लेती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका खूबसूरत गमला।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- आपको कांच के टुकड़ों को पकड़ने के लिए गलव्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- इन कांच से बनी चीजों को अपने बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कांच के टुकड़ों से चीजें बना रही हों तो आपके आस- पास लोग न हों।

आपके पसंदीदा रंग में छिपा है आपके व्यक्तित्व का राज

हर व्यक्ति का अपना पसंदीदा रंग होता है। पसंदीदा न होने पर भी, हर किसी की रंगों के लिए कुछ प्राथमिकताएं जरूर होती हैं। आमतौर पर हर कोई अपनी पसंद के रंग के हिसाब से ही कपड़े पहनता है। रंग का चुनाव ऐसा होता है जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता है कि आप कैसे कार्य करते हैं, आपका व्यक्तित्व कैसा है, आपका स्वभाव कैसा है और दूसरे आपको कैसे देखते हैं। वैसे जरूरी नहीं है कि आपके व्यक्तित्व का रंग वही हो जो आप हमेशा पहनते हैं, यह आमतौर पर वह रंग होता है जो आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। लेकिन ये वास्तविकता है कि किसी भी व्यक्ति का पसंदीदा रंग उसके बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

काला रंग

यदि आपको काला रंग पसंद है, तो इस बात की तरफ इशारा करता है कि आप स्वभाव से शर्मीले हैं लेकिन जब भी स्थिति की आवश्यकता हो, अपने मन की बात कहने में विश्वास करें। आप आसानी से निराश नहीं होते हैं और जीवन की हर बाधा को दूर करने का प्रयास करते हैं। आप शक्ति और नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं, आप अपनी बातों को गोपनीय रखने पर जोर देते हैं और किसी के सामने खुली किताब की तरह नहीं आते हैं। केवल करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही जानते हैं कि आपके जीवन मे क्या महत्वपूर्ण है। आप अपने आस-पास और अपने द्वारा की जाने वाली चीजों में भी निर्मलता बनाए रखना पसंद करते हैं।

लाल रंग

लाल रंग आमतौर पर खतरे का संकेत देता है। हालांकि, रंगों का अर्थ विभिन्न पहलुओं में अलग-अलग होता है। अगर आपको लाल रंग पसंद है तो बताता है कि आप बाहरी दुनिया को पसंद करने वाले स्वभाव के हैं। आप आसानी से दोस्त बना सकते हैं और अजनबियों से बात कर सकते हैं। आप अपना जीवन एक राजा या रानी की तरह जीने में विश्वास रखते हैं। आप बिना किसी डर के अपने सपनों (जानें सपनों का मतलब) को समर्पित रहते हैं और उनके पीछे भागते है। इतना ही नहीं आप हर हाल में अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

गुलाबी रंग

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है और आप अपने आस-पास के लोगों को सहज महसूस कराते हैं। आप स्वभाव से भावुक हैं और अपनी भावनाओं का सामना करने से नफरत करते हैं। आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संतुलित बनाए रखना पसंद करते हैं क्योंकि आप दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। आप सपने देखने वाले स्वतंत्र उत्साही स्वभाव के व्यक्ति हैं।

नीला रंग

आपकी पसंद के रंग के हिसाब से ऐसा हो सकता है कि जब आप बहुत ही मधुर और मृदुभाषी दिखने की कोशिश करते हैं, तो लोगों को यह नहीं पता होता है कि आपके पास एक और पक्ष है जहां आप कठिन परिस्थितियों में अपने लिए खड़े हो सकते हैं। आप वफादार हैं और दोस्तों और परिवार के बहुत करीब हैं। आप स्वभाव से बहुत अधिक संवेदनशील भी हैं और नाटकीय परिस्थितियों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

हरा रंग

यदि आपका पसंदीदा रंग हरा है तो आप एक स्वतंत्र उत्साही व्यक्ति हैं और जीवन में रोमांच का आनंद लेते हैं। आप एक अत्यंत सामाजिक, अविश्वसनीय, स्नेही और वफादार व्यक्ति हैं। हालांकि, आप अक्सर बेचैन रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप एक चतुर व्यक्ति हैं, जो व्यापार प्रवृत्तियों के बारे में सहज समझ रखते हैं।

सफेद रंग

आप हर चीज में अच्छाई देखना पसंद करते हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो लोगों को शांत कर सकते हैं और स्वयं शांत रहने में विश्वास करते हैं। आप अक्सर अपने शब्दों को सावधानी से चुनते हैं और हर कोई आपके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता है। आप एक दयालु आत्मा हैं और लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, भले ही वे अजनबी क्यों न हों।

पीला रंग

यह परिभाषित करता है कि आप एक बहुत ही दिलकश स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप आशावादी हैं और गलत होने वाली चीजों को छोड़ने से इंकार करते हैं। आप बहुत ज्यादा भरोसेमंद हैं और हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखते हैं। आप गौरवशाली हैं और किसी भी जगह पर अपनी राय देने से डरते नहीं हैं। आपके व्यक्तित्व की वजह से लोग आपकी कंपनी पसंद करते हैं।

पर्पल कलर

आप एक कहानीकार हैं और दूसरे लोगों के विचार और राय सुनना पसंद करते हैं। आप स्वभाव से होशियार और मजाकिया है। आपको लोगों को सलाह देना पसंद है और आप इसे अपने दिल से पसंद करते हैं। आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपने आप में ऐसी क्षमता रखते हैं जो आपको दूसरों से अलग बनाती है। इस तरह आपके पसंद के रंगों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। हालांकि ये एक सामान्य अवधारणा है और हर एक व्यक्ति के हिसाब से अलग प्रभाव डालती है।

बच्चे का हौसला बनें

सारा साल पढ़ाई स्कूल जाने के बाद बच्चों में जहां फाइनल एग्जाम का डर बना रहता है, वहीं इस बात की खुशी भी होती है कि वह नई क्लास में जाने वाले हैं। इसी के साथ पेरेंट्स को यह परेशानी सताती है कि कहीं इस बार पढ़ाई में उनके बच्चे के आगे कोई और स्टूडेंट न निकल जाए। अक्सर आने की इस होड़ में पैरेंट्स द्वारा बनाया गया दबाव उनके लिए मानसिक परेशानी बन जाता है। ऐसे में बच्चों को डांट-फटकार कर पढ़ाने की बजाए उनकी प्रॉब्लम को समझने की जरूरत है। कई बार तो कुछ पेरेंट्स बच्चों को न पढ़ने पर सजा भी देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत बात है। मनोवैज्ञानिक भाषा में इस समस्या को एग्जाइटी डिसऑर्डर कहते हैं। बच्चे को इसमें धकेलने की बजाए इससे निकालने की कोशिश करें।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर

बहुत से बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या के कारण उनका स्वभाव बहुत ही चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसके कारण वह जो कुछ भी परीक्षा के लिए याद करते है वह राब कुछ भूल जाते हैं। फेल होने का डर, आत्मविश्वास में कमी भी इसी समस्या की निशानी है। कई बार तो तनाव से ग्रसित बच्चे घर से स्कूल के लिए निकल जाते हैं लेकिन स्कूल पहुंचते ही नहीं। इसी वजह से कुछ बच्चे गलत संगत में भी फंस जाते हैं। ऐसे में माता-पिता को उसे डाट कर पढ़ाने की बजाए प्यार से समझाने की जरूरत है। पढ़ाई में आने वाली मुश्किलों के लिए डांटें नहीं बल्कि उनकी मदद करें। इन तरीकों से तनाव रहित कर सकते हैं।

टाइम-टेबल को दें अहमियत

अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे परीक्षा के दिनों में घबराएं नहीं तो आप शुरू में ही उनकी पढ़ाई का टाईम-टेबल बनाएं ताकि समय रहते उनका पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। जिससे बाद में उन्हें स्लेबस दोहराने का भी टाईम मिल जाए। इसे अपनाने से उन्हें परीक्षा के दिनों में किसी तरह का डर नहीं रहेगा और वह जो भी याद करेंगे, उसे कभी भी भूलना नहीं।

पेपर पैटर्न को समझना जरूरी

एग्जाम में बैठने से पहले बच्चों को पेपर का तरीका समझने की बहुत जरूरत होती है। इससे बच्चे को किसी तरह की कंफ्यूजन नहीं रहेगी। ऐसे में आप बच्चे को पिछली बार का पैटर्न पेपर हल करने को दें। इस से भी उनका तनाव बहुत कम होगा। फाइनल परीक्षा में उसे किसी तरह की घबराहट नहीं होगी।

परीक्षा में जाने से पहले

डेट शीट आ जाने पर खुद भी बच्चे के साथ कमर कस लें। उसे पौष्टिक आहार खिलाएं ताकि किसी तरह की कमजोरी उसके प्रदर्शन में बाधा न बने। दूध, ड्राई फ्रूट, दही, सूप, सलाद आदि बेस्ट हैं। उस पर किसी तरह का दबाव न डालें, कुछ भी नया पढ़ाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से वह पहला पढ़ा भी भूल सकता है। पढ़ाई के अलावा थोड़ा हरी-मजाक, गेम्स या फिर उसका फेवरेट प्रोग्राम भी देखने को दें लेकिन इसका समय रीगित होना बहुत जरूरी है। इससे वह परीक्षा अच्छे से दे पाएगा।

परीक्षा शुरू होने पर

सबसे पहले परीक्षा में वहीं प्रश्न का जवाब देने की सलाह दें जो उन्हें अच्छी तरह से आता हो। बच्चें प्रश्न पत्र को पढ़ने में हड़बड़ी न करें। अगर आपको किसी प्रश्न का जवाब नहीं आता। उस पर उलझे रहने की बजाए अगले सवाल को हल करें। सारा पेपर हल करने पर इसे जमा करने से पहले एक बार जांच लें। समय सीमा के बारे में बच्चे को बताना भी बहुत जरूरी है।

साड़ी के साथ स्टाइल की जा सकती हैं यह डिफरेंट स्टाइल बेल्ट

अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

साड़ी हमेशा ही भारतीय महिलाओं के स्टाइल का एक अहम हिस्सा रही है। चाहे घर हो या ऑफिस, महिलाएं इसे हर जगह पहनना पसंद करती हैं। साड़ी आउटफिट के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से बेहद आसानी से स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह आपको हर बार एक न्यू लुक मिलता है। हालांकि, अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। तो आज हम आपको कुछ ऐसी बेल्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं और आप भी उसे आसानी से कैरी कर सकती हैं।

लेदर बेल्ट

अगर आप एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेदर बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। आमतौर पर, लेदर बेल्ट को जींस या पैंट सूट के साथ पेयर किया जाता है। लेकिन अगर आप साड़ी में अपने स्टाइल को यूनिक बनाना चाहती हैं तो लेदर बेल्ट को स्टाइल करें। हालांकि, लेदर बेल्ट को साड़ी के साथ पहनते समय ध्यान दें कि आपकी साड़ी का कलर भी थोड़ा लाइट ही हो।

वाइड बेल्ट

अगर आप अपनी बेल्ट को ही अपने ओवर ऑल लुक में सेंटर ऑफ अट्रेक्शन बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक वाइड बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। साड़ी के साथ वाइड बेल्ट देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इन वाइड बेल्ट में आप मैचिंग बेल्ट से लेकर एंब्रायडिड बेल्ट का ऑप्शन चुन सकती हैं।

मैचिंग बेल्ट

यह एक ऐसा लुक है, जो अमूमन महिलाओं को इन दिनों काफी पसंद आ रहा है। इस लुक में आप अपनी साड़ी से मैचिंग बेल्ट को स्टाइल करें। आमतौर पर, इस लुक में आपकी साड़ी से मैचिंग ब्लाउज होता है और उसी मैचिंग फैब्रिक व कलर की बेल्ट को आप साथ में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह आपको बेल्ट में एक राटल लुक मिलता है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है।

एंब्रायडिड बेल्ट

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो ऐसे में आप एंब्रायडिड बेल्ट के ऑप्शन को चुन सकती हैं। यह बेल्ट आपके लुक को बेहद स्टनिंग बनाता है। इस बेल्ट की मदद से एक सिंपल साड़ी को भी डिजाइनर लुक दे सकती हैं। आप चाहें तो फ्रिल साड़ी के साथ भी एंब्रायडिड बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

थिन सिल्वर बेल्ट

यह आपको एक बेहद ही एलीगेंट लुक देता है। इस लुक में आप ग्लेन साड़ी के साथ भी थिन सिल्वर बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप केजुअल्स से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस बेल्ट की खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह की साड़ी के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक बेल्ट

अगर आप एक ऐसी बेल्ट की तलाश में हैं जो हर तरह की साड़ी के साथ जचे तो ऐसे में आप ब्लैक बेल्ट को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती है। आप ब्लैक बेल्ट में भी डिफरेंट स्टाइल के ऑप्शन को चुन सकती हैं। खासतौर से, रेड कलर साड़ी के साथ ब्लैक बेल्ट बेहद ही स्टनिंग लुक देती है।

मद्रास हाईकोर्ट बोला-

लिव-इन में महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी मानें

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को सुरक्षा तभी मिलेगी, जब उन्हें पत्नी का दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे रिश्तों में महिलाओं को वैधाहिक सुरक्षा नहीं मिल पाती इसलिए कोर्ट की जिम्मेदारी बनती है कि महिलाओं को संरक्षण दें।

जस्टिस एस श्रीमथी ने यह टिप्पणी एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। शख्स पर आरोप है कि वह महिला के साथ पहले लिव-इन में रहा। फिर शादी का झूठा वादा कर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए।

इस पर कोर्ट ने कहा कि पुरुष पहले मॉडर्न बनकर लिव-इन का रिश्ता बनाते हैं।

अनूप जलोटा ने रहमान को दी सलाह

बोले-अगर मुस्लिम होने की वजह से काम नहीं मिल रहा, तो फिर से हिंदू बन जाना चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। म्यूजिक डायरेक्टर ए.आर. रहमान के काम न मिलने वाले बयान पर सिंगर अनूप जलोटा ने प्रतिक्रिया देते हुए रहमान को सलाह दी है कि अगर उन्हें मुस्लिम होने की वजह से काम नहीं मिल रहा है, तो ये वापस हिंदू बन जाएं। मीडिया द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में जलोटा ने कहा, ए.आर. रहमान पहले हिंदू थे और बाद में उन्होंने इस्लाम धर्म अपनाया। इसके बावजूद उन्होंने संगीत इंडस्ट्री में खूब काम किया, नाम कमाया और लोगों के दिलों में जगह बनाई, लेकिन अगर उन्हें लगता है कि मुस्लिम होने की वजह से हमारे देश में उन्हें फिल्मों में संगीत का काम नहीं मिल रहा है, तो उन्हें फिर से हिंदू बन जाना चाहिए।

सिंगर ने आगे कहा, उन्हें यह मानना चाहिए कि हिंदू बनने से उन्हें दोबारा फिल्में मिलने लगेंगी। यही बात रहमान कहना चाहते हैं।

प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, तालाब में गिरा

शहर के बीचों-बीच हवा में डगमगाया, 2 पायलट को बचाया, माघ मेला से 3किमी दूर हादसा

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

पीआरओ डिफेंस विंग कमांडर देवार्ष धर ने बताया, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

उन्होंने बताया, दोनों पायलटों ने सुझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को सुनसान इलाके में उतारा, जिससे आम लोगों की जान-माल को नुकसान नहीं हुआ। हादसे की वजह पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है। हादसा बुधवार दोपहर 12 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। तालाब के पास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। यहां से माघ मेले की दूरी 3 किमी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले दोनों पायलट पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला।

जिस तालाब में विमान गिरा है, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है। एयरक्राफ्ट तक कोई भी रेस्क्यू टीम अभी पहुंच नहीं पाई हैं।

सोना पहली बार 1.5 लाख पार, 7795 बढ़ा

- 21 दिन में 22 हजार महंगा हुआ; चांदी 10 हजार बढ़कर 3.20 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने की कीमत 21 जनवरी को 1.50 लाख रुपए पार कर गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार सोना आज 7,795 रुपए बढ़कर 1,55,204 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला है। कल ये 1,47,409 रुपए पर था। सोना इस साल अब तक 21,744 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत आज 10,730 रुपए बढ़कर 3,20,075 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 3,09,345 रुपए पर थी। चांदी इस साल सिर्फ 21 दिनों में ही 90,825 रुपए महंगी हो चुकी है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने फर्जी पिज्जा हट का उद्घाटन किया

कंपनी बोली- हमारा कोई लेना देना नहीं; सोशल मीडिया पर मजाक बना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने सियालकोट कैंटोनमेंट में पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बता दिया।

सोशल मीडिया पर उद्घाटन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर साफ किया कि इस आउटलेट से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ सियालकोट कैंटोनमेंट में बने आउटलेट का फीता काटते नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर आसिफ मजाक बना- यह मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों ने इसे लेकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में एक फर्जी पिज्जा हट फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया। ये बेवकूफ बूढ़े लोग हम पर थोपे गए हैं। एक अन्य यूजर ने मजाक करते हुए लिखा, जब पिज्जा हट खुद कह दे, यह हमारी स्लाइस नहीं है।

दिल्ली में सुनीता विलियम्स बोलीं-

भारत आना घर वापसी जैसा

- चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए।

सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। सभी देश सहयोग के साथ आगे बढ़ें, बिल्कुल अंटार्कटिका मॉडल की तर्ज पर।

- विलियम्स ने कहा- भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा

विलियम्स ने कहा कि भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झुलासन गांव से थे। वहीं, चांद पर जाने के मीडिया के सवाल पर मजाकिया लहजे में कहा, मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे। घर वापसी और जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को अपना स्थान बनाना होगा।

सुनीता बोलीं- स्पेस से धरती देखने पर महसूस होता है कि हम सब एक हैं- 60 साल की विलियम्स हाल ही में नासा से रिटायर हुई हैं। उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। 9 स्पेस वॉक भी किए हैं। अंतरिक्ष में बिताए दिन पर: क्या स्पेस ट्रैवल ने उनकी जिंदगी के नजरिए को बदला है, तो उन्होंने कहा- हां, बिल्कुल।

रियल मैड्रिड की बड़ी जीत

स्पोर्टिंग ने पीएसजी को चौंकाया

मैड्रिड, एजेंसी। काइलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग फेज मुकाबले में मोनाको को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ ही रियल मैड्रिड ने टॉप-आठ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। अपने पुराने क्लब मोनाको के खिलाफ खेलते हुए एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एम्बाप्पे ने फेडे वाल्वरडे की थ्रू बॉल पर पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। इसके बाद 25वें मिनट के आसपास फार पोस्ट पर शानदार स्लाइड करते हुए उन्होंने दूसरा गोल दागा और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा और बढ़ गया। 51वें मिनट में फ्रेंको मास्टैंटुओनो ने तीसरा गोल किया, जबकि थिलो केहरर से आत्मघाती गोल हो गया। विनीसियस जूनियर ने पांचवां और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल किया। मोनाको की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन टेजे ने किया। दूसरी ओर, पुर्तगाल में खेले गए मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब डी पुर्तगाल ने पेरिस सेंट जर्मेन को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लुइस सुआरेज ने 74वें और 90वें मिनट में गोल कर स्पोर्टिंग को अहम जीत दिलाई, जिससे टीम स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई। पीएसजी का दबदबा पूरे मैच में रहा, लेकिन उसके दो गोल रद्द कर दिए गए। सब्स्टीट्यूट खिचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी जरूर की, लेकिन आखिरी क्षणों में सुआरेज ने हेडर से निर्णायक गोल कर दिया। अन्य मुकाबलों में, एजेक्स ने आखिरी मिनट में ओलिवर एडवर्डसन के गोल की मदद से विलारियल को हराया। वहीं, ओलंपियाकोस ने पिरियस में बायर लेवरकुसेन को 2-0 से मात देकर जर्मन टीम के खिलाफ 14 मैचों में पहली जीत दर्ज की। कोस्टिन्हा और मेहदी तारेमी के तेज काउंटरअटैक ने ओलंपियाकोस की जीत की नींव रखी, जबकि गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त बनाए रखी।

213 रन ठोकने वाली दिल्ली कैपिटल्स की तूफानी बल्लेबाज पर जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स की स्टार बल्लेबाज लिजेल ली पर जुर्माना लगाया गया है. इतना ही नहीं डब्ल्यूपीएल 2026 में अब तक 213 रन ठोक चुकी इस खिलाड़ी के खाते में जुर्माने के साथ एक डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं. लेकिन, बड़ा सवाल ये है कि लिजेल ली से गलती क्या हुई? कब हुई? ये पूरा मामला डब्ल्यूपीएल 2026 में 20 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले मुकाबले से जुड़ा है.

लिजेल ली ने मानी गलती, 10% जुर्माने के साथ मिली ये सजा- लिजेल ली को जब आउट दिया गया वो डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने एक और अर्धशतक के करीब थीं. वो 28 गेंदों में 46 रन बनाकर पूरे विस्फोटक मिजाज में खेल रही थीं. ऐसे में जब उन्हें थर्ड अंपायर ने आउट दिया तो उन्होंने उस फैसले पर थोड़ी नाराजगी जाहिर की, जिसके क्रिकेट की रूल बुक की आचार संहिता के तहत गलत पाया गया.

लाइव मैच में कब घटी घटना?

वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की इनिंग के 11वें ओवर में बल्लेबाजी कर रहीं लिजेल ली को आउट दे दिया गया. वो मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप हुई थीं, मामला थोड़ा नजदीकी था तो उन्हें आउट देने से पहले थर्ड अंपायर ने कैमरों के कई एंगल जांचे, थर्ड अंपायर का ऐसा मानना रहा कि जब गेंद ने विकेट की बेल्स को उड़ाया उस वक्त लिजेल ली का बल्ला हवा में था.

टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी दूर हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और संजू सैमसन के पुराने स्कूलों में पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 'क्लास ऑफ 26' सीरीज के तहत हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और संजू सैमसन के पुराने शिक्षण संस्थानों में पहुंचा। यह सीरीज मौजूदा वर्ल्ड कप टीम के सदस्यों के शुरुआती सफर का जश्न मनाती है और डीपी वर्ल्ड के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर के दौरान देश भर में अगली पीढ़ी को प्रेरित करने का लक्ष्य रखती है। क्लास ऑफ 26 का लक्ष्य है कि भारतीय क्रिकेट टीम के हर सदस्य के पुराने स्कूलों में प्रतिष्ठित ट्रॉफी को वापस ले जाया जाए, क्योंकि वे अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब बरकरार रखकर इतिहास रचने की कोशिश कर रहे हैं।

इस प्रयास का मकसद ट्रॉफी को उन संस्थानों तक ले जाना है जहां इन स्टार खिलाड़ियों के सपने पहली बार जागे, प्रतिभा पहली बार पहचानी गई और विश्वास पहली बार बना। तीनों संस्थानों में, ट्रॉफी का स्वागत औपचारिक गाड 'ऑफ ऑनर के साथ किया गया, जिसके बाद छात्रों ने टूर्नामेंट के शुभंकर ब्लेज और टॉक के साथ मज़ेदार गतिविधियों में हिस्सा लिया। छात्रों ने इंटरैक्टिव गेम्स और चुनौतियों में भी हिस्सा लिया। पहला पड़ाव वडोदरा के एमके हाई स्कूल में था, जो भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का पुराना स्कूल है। इस मौके पर प्रिंसिपल विनय तुलसी और डायरेक्टर सुभाष पांड्या मौजूद थे। इसके बाद यह टूर पटना के कॉलेज ऑफ कॉमर्स गया, जहां विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन पढ़ते थे। इस दौरे में वाइस प्रिंसिपल डॉ. एम फैज़ल, स्पोर्ट्स इंचार्ज के.बी. पद्मादेव, और दूसरे टीचिंग स्टाफ, जिनमें डॉ. मुकेश कुमार मधुकर, प्रो. मृदुला कुमारी, डॉ. मनीषा रॉय, डॉ. अयान मुखर्जी और श्री सत्यम कुमार शामिल थे, मौजूद थे।

तीसरा दौरा तिरुवनंतपुरम के मार इवानियोस कॉलेज में हुआ, जो भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन का पुराना कॉलेज है। इस मौके पर प्रिंसिपल डॉ. मीरा जॉर्ज और दूसरे टीचिंग स्टाफ, जिनमें फादर थॉमस कैयलेकल, बर्सर, डॉ. टॉम थॉमस, डॉ. जिजी कुरियन, डॉ. रतीश आर और डॉ. दीपा मैरी जोसेफ शामिल थे, मौजूद थे। ग्राउंड पर होने वाले कार्यक्रमों के अलावा, मार इवानियोस कॉलेज के स्टूडेंट्स ने एक क्रिएटिव और पर्सनल टच दिया।

सिंधु और श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के पहले राउंड में जीते

किरण-आकर्षी बाहर, मिक्स्ड डबल्स में भारतीय जोड़ियां हारीं

इंडोनेशिया (एजेंसी)। डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में बुधवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में जगह बना ली।

विमेंस सिंगल्स में पांचवीं सीड पीवी सिंधु ने जापान की मनामी सुइजु को कड़े मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। यह मैच 53 मिनट तक चला, जिसमें सिंधु ने अहम पलों में संयम दिखाते हुए जीत तय की। विमेंस सिंगल्स में पांचवीं सीड पीवी सिंधु ने जापान की मनामी सुइजु को 22-20, 21-18 से हराया।

मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत ने दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वतनाबे को 1 घंटे 12 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी। श्रीकांत का अगला मुकाबला टूर्नामेंट की चौथी सीड चाउ टिएन चेन से होगा, चाउ ने आयरलैंड के न्हात गुयेन को 21-14, 21-15 से हराया।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन निराशाजनक रहा। किरण जॉर्ज मेन्स सिंगल्स के पहले राउंड में इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 17-21, 14-21 से हारकर बाहर हो गए। विमेंस सिंगल्स में आकर्षी कश्यप भी शुरुआती दौर में डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसेन से 21-8, 20-22, 17-21 से हार गईं।

घर में टॉयलेट बनवाते समय न करें ये भूल, गले पड़ सकती है गरीबी, यहां जानें जरूरी वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, टॉयलेट अगर सही दिशा या स्थान पर न हो तो इससे घर में नकारात्मकता बढ़ सकती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों को भी प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। जिससे परेशानी बढ़ने लगती है। घर में सकारात्मकता और सुख-समृद्धि के लिए टॉयलेट बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। आइए विस्तार से जानें टॉयलेट से जुड़े वास्तु नियम... वास्तुशास्त्र में घर के हर एक कोने का खास महत्व होता है। घर के सही या गलत वास्तु का प्रभाव सीधा हमारे जीवन और घर के माहौल पर पड़ता है। माना जाता है कि वास्तु के अनुसार घर होने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है और तरक्की प्राप्त होती है। वास्तुशास्त्र में शौचालय का सही स्थान और दिशा में होना आवश्यक माना जाता है। अगर इससे जुड़े वास्तु नियमों का ख्याल न रखा जाए तो घर में नकारात्मकता बढ़ सकती है और गरीबी गले पड़ सकती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों की परेशानी बढ़ने लगती है। ऐसे में घर में सकारात्मकता और बरकत बनाए रखने के लिए शौचालय बनवाते समय वास्तु के नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। आइए विस्तार से जानते हैं कि घर में टॉयलेट बनवाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

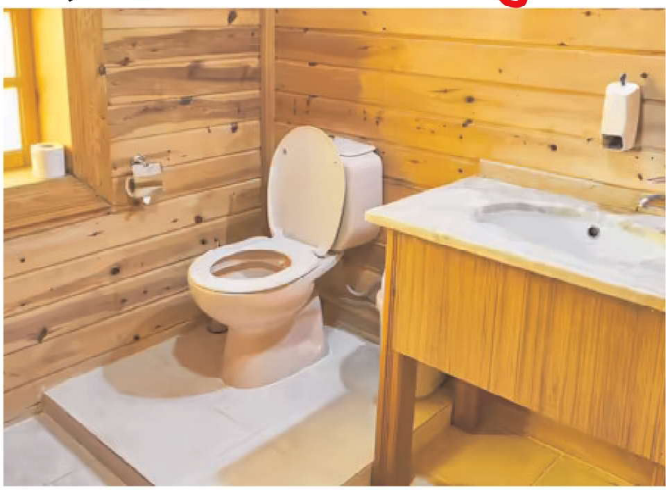

किस दिशा में होना चाहिए टॉयलेट?

वास्तुशास्त्र के अनुसार टॉयलेट सही दिशा में होना बेहद आवश्यक होता है। ऐसे में कभी भी टॉयलेट उत्तर-पश्चिम या दक्षिण पूर्व दिशा की ओर बनवाना चाहिए। सही दिशा में टॉयलेट बनवाने से घर में सकारात्मकता बनी रहती है। साथ ही, बरकत बढ़ती है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

टॉयलेट किस दिशा में नहीं बनवाना चाहिए?

भूलकर भी टॉयलेट को ईशान कोण में नहीं बनवाना चाहिए। ऐसा करने से गरीबी गले पड़ सकती है और परिवार के सदस्यों को एक के बाद एक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ईशान कोण को देवताओं का स्थान माना गया है। यही कारण है कि वास्तु के अनुसार ईशान कोण में टॉयलेट या बाथरूम बनवाना सही नहीं माना जाता है।

टॉयलेट बाथरूम में इस जगह न लगवाएं शीशा

वास्तु के अनुसार घर के बाथरूम या टॉयलेट के दरवाजे के सामने कभी भी शीशा नहीं लगवाना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में नकारात्मकता पढ़ सकती है और परिवार के सदस्यों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं कभी भी बाथरूम में खाली बाल्टी नहीं रखनी चाहिए। उसे हमेशा भरकर रखना चाहिए। अगर बाल्टी खाली हो तो उसे पलटकर रखना सही माना जाता है।

टॉयलेट का दरवाजा कभी न रखें खुला

घर में टॉयलेट या बाथरूम के दरवाजे को कभी भी खुला नहीं रखना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, इस स्थान पर सबसे ज्यादा नकारात्मक ऊर्जा होती है। ऐसे में दरवाजा खुला रखने से घर में नकारात्मकता फैल सकती है। यही कारण है कि टॉयलेट के गेट को हमेशा बंद रखना चाहिए। अन्यथा इसका प्रभाव करियर पर भी पड़ सकता है।

टॉयलेट में जरूर बनवाएं खिड़की

आजकल अधिकतर लोग टॉयलेट और बाथरूम अटैच बनवाते हैं। ऐसे में इस बात का ध्यान रखें कि उसमें एक खिड़की अवश्य होगा। इससे नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकलती है। हालांकि, खिड़की बनवाते समय दिशा का ख्याल जरूर रखें। वास्तु के अनुसार टॉयलेट की खिड़की उत्तर, पूर्व या पश्चिम की ओर खुलनी चाहिए।

टॉयलेट की सफाई का रखें ध्यान

माना जाता है कि टॉयलेट की साफ-सफाई का सबसे ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि इसी स्थान पर सबसे अधिक नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह रहता है। ऐसे में इसका प्रभाव परिवार के सदस्यों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में काम पूरा हो जाने के पश्चात पानी को जरूर सूखने देना चाहिए। साथ ही, टॉयलेट व बाथरूम में नीला रंग रखना शुभ माना जाता है। इससे घर में खुशहाली और समृद्धि बनी रहती है।

किचन में इस चीज को लगाते ही दूर होगी सारी नेगेटिविटी, बस रखें इस बात का ध्यान

वास्तु शास्त्र की दुनिया सिर्फ घर की दिशा तक ही सीमित नहीं है। कई लोगों को लगता है कि इस शास्त्र में सिर्फ घर के कमरों से जुड़े नियम बताए जाते हैं कि इस कमरे का दरवाजा ऐसा हो। बाथरूम का गेट ऐसा हो। बता दें कि वास्तु शास्त्र की दुनिया और भी बड़ी है। इस शास्त्र में कुछ ऐसे नियम भी हैं, जिसकी मदद से आप आसानी से घर में रखी हुई चीजों की प्लेसमेंट में सुधार करके सब सही कर सकते हैं। आज बात करेंगे किचन के वास्तु से जुड़े हुए नियम को लेकर। शास्त्र के अनुसार अगर घर में बहुत भारीपन सा महसूस होने लगे या फिर कलेश बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं तो किचन में एक ऐसी चीज लगा सकते हैं जो सारी नेगेटिविटी को एक झटके में घर के बाहर कर सकता है। इस बारे में नीचे जानें विस्तार से...

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर किचन में इस चीज को लगा लिया जाए तो घर का वास्तु काफी हद तक ठीक हो जाता है। नियम के अनुसार किचन में एग्जॉस्ट फैन जरूर होना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि इसे किसी भी दिशा में नहीं लगाना है। वास्तु शास्त्र में इस बात का वर्णन हैं कि किचन में लगे हुए एग्जॉस्ट फैन की दिशा हमेशा पूर्व की ओर ही होना चाहिए। इस दिशा से घर की नेगेटिविटी पूरी तरह से बाहर चली जाती है। बता दें कि किचन की खिड़की भी हमेशा पूर्व दिशा की ओर ही होनी चाहिए। घर बनाने की प्लानिंग करते वक्त इन चीजों को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए।

किचन में एग्जॉस्ट फैन लगाने के बाद इस का ध्यान रखें कि आपको इसे समय-समय पर साफ करते रहना है। अगर यहां पर धूल-मिट्टी जमा हो रही है तो ये शुभ संकेत नहीं होता है। ऐसे में इसकी सफाई नियमित रूप से जरूरी है। किचन की खिड़की बनवाते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ये बड़ी हो। माना जाता है कि ऐसी खिड़की मूड को बूस्ट करती है और घर का वातावरण भी पॉजिटिव रहता है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए साझेदारी में कोई काम करने के लिए रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आप वाद-विवाद में न पड़े, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते में दरार पैदा हो सकती हैं। आप किसी संपत्ति की खरीदारी की योजना बना सकते हैं।

वृषभ आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आर्थिक मामलों में आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। आपका कोई रुपए पैसे से जुड़ा मामला सुलझ सकता है। विद्यार्थी यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, तो उसमे उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आप अपनी सेहत के प्रति थोड़ा सचेत रहें। आपके ऊपर कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारी अधिक रहने से टेंशन बनी रहेगी। आपको किसी काम को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ना है, नहीं तो उसे पूरा करने में समस्या आ सकती है।

मिथुन आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके सुख साधनों में वृद्धि होगी और कोई पुराना लेनदेन चुकटा होगा। आपका कोई मित्र लंबे समय बाद आपसे मिलने आ सकता है। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आपको सामाजिक कामों में भाग लेने का मौका मिलेगा। बिजनेस में आपकी इनकम बढ़ेगी। काम के सिलसिले में आप लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी और आपको किसी नए काम की शुरुआत करना भी अच्छा रहेगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। सरकारी योजनाओं में धन लगाना बेहतर रहेगा। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग किसी अच्छी स्कीम में धन लगा सकते हैं। परिवार में यदि किसी सदस्य की सेहत को लेकर आपको टेंशन थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आप अपने बिजनेस के किसी काम को लेकर यात्रा पर जा सकते हैं। आप कोई भी काम जल्दबाजी में न उठाएं और कोई निर्णय आपको बहुत ही सोच समझ कर लेने की आवश्यकता है।

कन्या आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। व्यवसाय में आप काम को लेकर धन लगाने की सोच सकते हैं, जो जातक नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे हैं, उन्हें कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। विद्यार्थियों को काम को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी है। आपको किसी दूसरे के मामले में बोलने से बचना होगा।

तुला आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके बिजनेस की योजनाएं आपको कोई बेहतर लाभ देगी। आपको यदि कोई चिंता चली आ रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है। जमीन जायदाद से जुड़ा मामला सुलझेगा। अध्ययन में अध्यात्म के प्रति आपकी खूब रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई को लेकर लापरवाही नहीं करनी है। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को भी पूरा करना पड़ सकता है। भाई व बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए खर्चो भरा रहने वाला है। जीवनसाथी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपका कोई कानूनी मामला आपके लिए सिर दर्द बन सकता है, जिसके निपटाने के लिए आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरे की आवश्यकता होगी।

धनु आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप अपने व्यवसाय में लगे रहेंगे। आप किसी तकनीकी समस्या के कारण परेशान रहेंगे। पैतृक संपति को लेकर कोई विवाद खड़ा हो सकता है, जो कानूनी हो सकता है। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और आपको काम के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के लिए भी समय निकालना होगा।

मकर आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। माता-पिता या भाई बहनों को आपको पूरा साथ मिलेगा। आपकी तरक्की के नए-नए मार्ग खुलेंगे। आप कुछ नया करने की सोच सकते हैं। आपको किसी से किए हुए वादे को पूरा करने में समस्या आ सकती है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने कामों को धैर्य में साहस व निपटाने की आवश्यकता है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अच्छे व मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। परिवार में यदि सदस्यों में किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर हो सकती है। आप किसी योजना में बदलाव करने की सोच सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोगों को थोड़ा समझदारी दिखाते हुए अपने कामों को निपटाना होगा। आप किसी भी विरोधी की बातों में ना आए।

मीन आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपकी भौतिक शुभ सुविधाओं में भी वृद्धि होगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको किसी बात को लेकर टेंशन चल रही है, तो आप अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर आपको पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपका धन यदि कहीं डूबा हुआ था, तो वह भी आपको मिल सकता है। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

T.S.Chandwani
SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
24 Hours Room service available
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

Makhija Construction

25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

महाराष्ट्र बोर्ड का क्लास 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के लिए यूट्यूब चैनल लॉन्च

मुंबई (नि.स.)। क्लास 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं से पहले, महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने छात्रों, स्कूलों और परीक्षा केंद्र के अधिकारियों को गाइड करने के लिए अपना ऑफिशियल यूट्यूब चैनल लॉन्च किया है। जाने-माने लोगों के मोटिवेशनल मैसेज वाले वीडियो के अलावा, इस चैनल पर परीक्षाओं से जुड़े अलग-अलग नियमों और रेगुलेशन को समझाने वाले जानकारी भरे वीडियो भी होंगे। इसका मकसद बोर्ड परीक्षाओं के दौरान छात्रों, स्कूलों और परीक्षा केंद्र के स्टाफ के बीच भ्रम को खत्म करना है।

महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड की अध्यक्षा त्रिगुणा कुलकर्णी ने कहा कि यह पहल सबसे असरदार कम्युनिकेशन मीडियम के ज़रिए लोगों तक पहुंचने के लिए शुरू की गई है। परीक्षा के नियमों और प्रक्रियाओं में कुछ भी नया नहीं है। लिखे हुए डॉक्यूमेंट्स की अलग-अलग व्याख्याओं के कारण कन्फ्यूजन पैदा होता है। इन शंकाओं को दूर करने के लिए, महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड के नौ विभाग प्रमुखों को अलग-अलग विषय सौंपे गए हैं।

माघी गणेश उत्सव के लिए कृत्रिम तालाबों सहित कई सुविधाएं तैयार

मुंबई (नि.स.)। माघी गणेश उत्सव आज 22 जनवरी से धूमधाम और हर्षोल्लास के माहौल में मनाया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह उत्सव पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाया जाए, मुंबई महानगरपालिका ने गणेश उत्सव समितियों के लिए 'अस्थायी पंडाल निर्माण' परमिट के लिए एक सिंगल-विंडो सिस्टम शुरू किया है। पंडाल निर्माण परमिट के लिए 100 रुपये का मामूली शुल्क लिया गया है। इस बीच, हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, प्राकृतिक जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए, मनपा प्रशासन ने एक बार फिर सभी सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों और भक्तों से अपील की है कि वे गणेश मूर्तियों का विसर्जन केवल मनपा द्वारा बनाए गए कृत्रिम तालाबों में ही करें, नदियों, समुद्रों, झीलों या अन्य प्राकृतिक जल निकायों में नहीं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि माघी गणेश उत्सव के दौरान गणेश मूर्तियों का विसर्जन पर्यावरण के अनुकूल, सुरक्षित और सुचारू रूप से हो, मनपा ने सभी आवश्यक उपाय और अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान की हैं। साथ ही, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। 16 फीट तक की ऊंचाई वाली मूर्तियों के विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाब बनाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार, रंगीन रसायन, थर्माकोल, प्लास्टिक, कपड़े, फूल, माला, सजावटी सामग्री आदि को पानी में विसर्जित करना प्रतिबंधित है। इसलिए, सार्वजनिक समितियों और भक्तों से अनुरोध किया गया है कि वे फूलों की भेंट (निर्माल्य) केवल निर्धारित संग्रह डिब्बे में ही डालें।

शिक्षकों का तनाव बढ़ा : पदोन्नति के लिए टीईटी परीक्षा अनिवार्य

महाराष्ट्र सरकार ने जारी किया आदेश

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र सरकार ने शिक्षकों के लिए एक अहम फैसला लिया। अब, राज्य के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों के पदोन्नति के लिए टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) पास करना अनिवार्य हो गया है। सरकारी आदेश के अनुसार, जिन शिक्षकों की रिटायरमेंट से पहले 5 साल से ज़्यादा की सर्विस बची है, उन्हें दो साल के अंदर टीईटी पास करना होगा। जिन शिक्षकों की सर्विस 5 साल से कम बची है, वे अस्थायी रूप से काम जारी रख सकते हैं, लेकिन सरकारी आदेश के अनुसार, प्रमोशन के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य है।

यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार लिया गया है। कोर्ट ने पहले ही साफ कर दिया था कि टीईटी योग्यता न सिर्फ नई नियुक्तियों के लिए बल्कि प्रमोशन और सेवा में बने रहने के लिए भी अनिवार्य है। शिक्षक संगठनों ने इस फैसले का विरोध किया है। उनके अनुसार, यह फैसला उन शिक्षकों के साथ अन्याय हो सकता है जिन्होंने लंबे समय तक सेवा की है। कुछ संगठनों ने समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। सरकार ने कहा है कि, 'अगर टीईटी परीक्षा पास नहीं की जाती है, तो प्रमोशन के लिए आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। अगर समय पर परीक्षा पास नहीं की जाती है, तो शिक्षकों को स्वैच्छिक रिटायरमेंट या अनिवार्य रिटायरमेंट लेना पड़ सकता है।' ज़्यादा जानकारी और लागू करने के विवरण के लिए, शिक्षकों को महाराष्ट्र शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी देखने का निर्देश दिया गया है।

महाराष्ट्र ने दावोस में उठाए ऐतिहासिक कदम

'थर्ड मुंबई' प्रोजेक्ट के लिए 11 ग्लोबल कंपनियों के साथ एमओयू साइन किए

मुंबई (नि.स.)। दुनिया के प्रमुख आर्थिक मंचों में शामिल स्विट्ज़रलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में महाराष्ट्र सरकार ने देश-विदेश के कई बड़े उद्योगपतियों और कॉरपोरेट समूहों के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इन एमओयू को राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और निवेश बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार का दावा है कि इन समझौतों से आने वाले वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ 2026) में, महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के औद्योगिक विकास में एक मील का पत्थर हासिल किया है। रायगढ़ जिले में महत्वाकांक्षी 'पेन ग्रोथ सेंटर' प्रोजेक्ट के लिए एमएमआरडीए और 11 प्रमुख ग्लोबल कंपनियों के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर साइन किए गए हैं। इन समझौतों पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। यह प्रोजेक्ट, जिसे 'थर्ड मुंबई' के नाम से जाना जाता है, टेक्नोलॉजी, फिनटेक और डेटा सेंटर के लिए अगली पीढ़ी का हब बनने वाला है। इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत भारत के पहले डेडिकेटेड 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' (जीसीसी) जिले की स्थापना है। इसमें दक्षिण कोरिया की हनवा ग्रुप, अमेरिका की फ़ेडेक्स, स्विट्ज़रलैंड की एसएसबी सॉरेवेइन और सिंगापुर की मेपल ट्री जैसी वर्ल्ड-क्लास कंपनियां शामिल हैं।

यह निवेश न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश के लिए रायगढ़ जिले को एक नई आर्थिक रीढ़ के रूप में उभारेगा। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ग्लोबल कंपनियों को रायगढ़-पेन ग्रोथ सेंटर में निवेश करने के लिए खुले तौर पर आमंत्रित किया। उन्होंने विश्वास जताया कि 'यह प्रोजेक्ट अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी के लिए तैयार है और ग्लोबल बिजनेस के लिए एक प्रमुख हब होगा।' यह समझौता राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़ा बढ़ावा देगा और हजारों रोजगार के अवसर पैदा करेगा। महाराष्ट्र सरकार के अनुसार, इन एमओयू का उद्देश्य केवल पूंजी निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए तकनीकी हस्तांतरण, कौशल विकास और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने पर भी जोर दिया गया है। उद्योगपतियों के साथ हुई बातचीत में यह स्पष्ट किया गया कि नए प्रोजेक्ट्स में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी और स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम्स के माध्यम से उन्हें उद्योग की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जाएगा। बहरहाल दावोस में महाराष्ट्र की सक्रिय भागीदारी को राज्य की वैश्विक छवि के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर राज्य की नीतियों और संभावनाओं को प्रस्तुत करने से विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन एमओयू को प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो महाराष्ट्र न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक मजबूत निवेश गंतव्य के रूप में उभरेगा।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को जारी नोटिस रद्द

मुंबई की हवा की गुणवत्ता पर हाई कोर्ट नाराज

मुंबई (नि.स.)। जहां मुंबई की हवा की गुणवत्ता खराब हो रही है, वहीं मुंबई महानगरपालिका की रिपोर्ट से एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खबर है कि मुंबई में 1954 कंस्ट्रक्शन साइट्स में से 662 में अभी भी एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग इक्विपमेंट नहीं लगे हैं। अपनी सुनवाई में, बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक बार फिर मुंबई की हवा की क्वालिटी के मॉडरेट कैटेगरी में होने पर नाराज़गी जताई। हालांकि, नियमों का उल्लंघन करने के लिए बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को पहले जारी किया गया कारण बताओ नोटिस, सुधार के उपाय लागू होने के बाद रद्द कर दिया गया। इससे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए रास्ता साफ हो गया है।

दरअसल बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को नियमों का उल्लंघन करने के लिए पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, ज़रूरी उपाय लागू होने के बाद वह नोटिस रद्द कर दिया गया है। साथ ही, बांद्रा (पूर्व) में सरकारी कॉलोनी में प्रस्तावित नए हाई कोर्ट कॉम्प्लेक्स साइट पर 19 जनवरी को नियमों का पालन न करने के कारण काम रोक दिया गया था। इसके अलावा, मनपा ने हाई कोर्ट को बताया कि कोलाबा में मेजेस्टिक एमएलए आवास को जारी स्टॉप-वर्क नोटिस, सुधार के उपायों को ठीक से लागू न करने के कारण अभी भी लागू है। मनपा ने कोर्ट को यह भी बताया कि मुंबई में 593 बेकरियों में से 170 अभी भी लकड़ी और कोयले पर चल रही हैं। इन बेकरियों ने अभी तक गैस, बिजली या अन्य ग्रीन फ्यूल सोर्स पर स्विच नहीं किया है। ऐसी बेकरियों को नोटिस जारी किए गए हैं।

हम मुंबई में वायु प्रदूषण से संतुष्ट नहीं हैं- हाई कोर्ट

मुंबई में बढ़ते प्रदूषण और खराब होती हवा की गुणवत्ता पर गंभीर संज्ञान लेते हुए, हाईकोर्ट ने 2023 में इस मामले का स्वत: संज्ञान लिया था। याचिका पर मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायाधीश सुमन श्याम की बेंच के सामने सुनवाई हुई। इस दरम्यान मुख्य न्यायाधीश ने मनपा से मुंबई में मौजूदा हवा की गुणवत्ता के बारे में पूछा। मनपा की ओर से सीनियर एडवोकेट एस.यू.कामदार ने कहा कि, मुंबई की हवा की क्वालिटी अभी मॉडरेट कैटेगरी में है और संतोषजनक है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, हम संतुष्ट नहीं हैं।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के उम्मीदवार जो मुंबई में बहुत कम अंतर से हार गए

मुंबई (नि.स.)। मुंबई महानगर पालिका चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद से स्थानीय स्तर से लेकर दिल्ली तक राजनीति में हलचल मची हुई है। मुंबई मनपा चुनाव में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने 65 से ज़्यादा सीटें जीतीं। नतीजों से साफ है कि बीजेपी के बाद उद्धव ठाकरे की शिवसेना दूसरे नंबर पर है। हालांकि, उद्धव ठाकरे की शिवसेना को भी झटका लगा है। उद्धव ठाकरे के कुछ प्रमुख उम्मीदवार भी चुनाव हार गए हैं। आइए जानते हैं कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना के वे कौन से उम्मीदवार हैं जो बहुत कम अंतर से हार गए?

44 सीटों पर शिवसेना (शिंदे) और शिवसेना ठाकरे के बीच मुकाबला था। इसमें ठाकरे के उम्मीदवार 34 सीटों पर सफल रहे, जबकि शिवसेना शिंदे 10 जगहों पर जीती। कुछ सीटों पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला। खासकर दादर पश्चिम के वार्ड 191 में, शिवसेना ठाकरे की पूर्व महापौर और पूर्व विधायक विशाखा राउत और सदा सरवणकर की बेटी प्रिया गुरव-सरवणकर के बीच सिर्फ 200 वोटों का अंतर था, जिसमें मतदाताओं ने राउत को चुना। उद्धव ठाकरे की शिवसेना से हारे हुए उम्मीदवारों की सूची-

1) वार्ड 7- सौरभ घोसालकर 797 वोटों से हारे, 2) वार्ड 19- लीना गुढेकर 876 वोटों से हारीं, 3) वार्ड 25- सुप्रिया गाडगिल 934 वोटों से हारीं, 4) वार्ड 63- देवेंद्र आंबेकर 538 वोटों से हारे, 5) वार्ड 65- प्रसाद आयरे 1082 वोटों से हारे, 6) वार्ड 125- सतीश पवार 569 वोटों से हारे, 7) वार्ड 126- शिल्पा भोसले 781 वोटों से हारीं, 8) वार्ड 148- प्रमोद शिंदे 1091 वोटों से हारे, 9) वार्ड 168- सुधीर खाटू 769 वोटों से हारे, 10) वार्ड 176- हर्षदा पाटिल 943 वोटों से हारीं, 11) वार्ड 179- दीपाली खेड़कर 503 वोटों से हारीं, 12) वार्ड 180- स्मिता गावकर 935 वोटों से हारीं, 13) वार्ड 190- वैशाली पाटणकर 121 वोटों से हारीं, 14) वार्ड 42- प्रणिता निकम 1022 वोटों से हारीं।

केरल विधानसभा चुनाव के लिए विनोद तावड़े बने चुनाव प्रभारी

मुंबई (नि.स.)। भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आगामी केरल विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किये हैं। भाजपा के राष्ट्रिय सचिव विनोद तावड़े को चुनाव प्रभारी बनाया गया है वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री, लचु एवं मध्यम उद्यम एवं श्रम एवं रोजगार, भारत सरकार सुश्री शोभा करंदलाजे को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

महापौर चुनाव के लिए समय बचा है कम छुट्टी के दिन करना होगा महापौर का चुनाव

मुंबई (नि.स.)। मुंबई महापौर का चुनाव 30 जनवरी को होने की संभावना है। कहा जा रहा है कि इतने कम समय में चुनाव कराना नामुमकिन है। इसलिए, तर्क दिए जा रहे हैं कि 30 जनवरी को महापौर पद के चुनाव होंगे या शनिवार, 31 जनवरी, रविवार 1 फरवरी या फिर सोमवार 02 फरवरी को। चूंकि मुंबई के महापौर पद के लिए आरक्षण का ड्रॉ आज 22 जनवरी को होने वाला है। भाजपा दिक्षी का हवाला दे रही है और ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि महापौर पद के लिए चुनाव 30 जनवरी को होगा। लेकिन 22 जनवरी के बाद सिर्फ़ शुक्रवार का दिन है और उसके बाद लगातार तीन दिन की छुट्टी है

इसलिए, यह नोटिफिकेशन जारी करके, महापौर पद के चुनाव का शेड्यूल घोषित करके और तय समय में उम्मीदवारी के आवेदन भरने की अवधि को पूरा करना नामुमकिन है। मनपा सचिव विभाग के पास खुद इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। चूंकि यह एक अटकल है, इसलिए इस कार्यक्रम की घोषणा करना जरूरी है। इसीलिए अगर चुनाव होने हैं, तो यह शनिवार या रविवार, छुट्टी के दिन या सोमवार, 2 फरवरी को करना होगा। यही स्थिति है। इसीलिए महापौर चुनाव से जुड़ा कार्यक्रम किस रूप में घोषित किया जाता है, सबकी निगाहें इसपर टिकी है।

यात्रियों की सुविधा हेतु मध्य रेल की मुंबई, कोल्हापुर, अमरावती, नांदेड़ के बीच 8 विशेष ट्रेन सेवाएं

मुंबई (नि.स.)। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए मध्य रेल छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई (सीएसएमटी) और श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) और हजूर साहिब नांदेड़ के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगी। इसके अलावा पनवेल-अमरावती के बीच अनारक्षित विशेष ट्रेनें भी चलेंगी जिसका विवरण इस प्रकार है-

■ सीएसएमटी-कोल्हापुर-सीएसएमटी विशेष- 2 सेवाएं

- ट्रेन संख्या 01039 दिनांक 24.01.2026 को 00.30 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11.45 बजे कोल्हापुर पहुंचेगी।

- ट्रेन संख्या 01040 दिनांक 26.01.2026 को 16.40 बजे कोल्हापुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.05 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। ठहराव- दादर, ठाणे, कल्याण, लोनावला, चिंचवड़, पुणे, जेजुरी, लोनंद, सातारा, कराड, किर्लोस्करवाड़ी, सांगली, मिरज, जयसिंहपुर और हातकनंगले। संरचना-1 एसी 2-टियर, 3 एसी 3-टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड्स ब्रेक वैन।

■ एलटीटी-नांदेड़-एलटीटी विशेष- 4 सेवाएं

- ट्रेन संख्या 01041दिनांक 23.01.2026 और 24.01.2026 को दोपहर 15.30 बजे एलटीटी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 4.00 बजे नांदेड़ पहुंचेगी।

- ट्रेन संख्या 01042 दिनांक 24.01.2026 और 25.01.2026 को 23.30 बजे नांदेड़ से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.40 बजे एलटीटी पहुंचेगी। ठहराव- ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नाशिक रोड, मनमाड, नागरसोल, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, परतूर, सेलू, परभणी और पूर्णा। संरचना-1 एसी 2-टियर, 3 एसी 3-टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड्स ब्रेक वैन।

■ अमरावती-पनवेल-अमरावती अनारक्षित विशेष सेवाएं

- ट्रेन संख्या 01415 दिनांक 26.01.2026 को 19.50 बजे पनवेल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.00 बजे अमरावती पहुंचेगी।

- ट्रेन संख्या 01416 दिनांक 22.01.2026 को 12.00 बजे अमरावती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.00 बजे पनवेल पहुंचेगी। ठहराव- कर्जत, लोनावला, पुणे, दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, बेलापुर, कोपरगांव, मनमाड, चालीसगांव, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मूर्तिजापुर और बडनेरा। संरचना-16 शयनयान श्रेणी / सामान्य द्वितीय श्रेणी / द्वितीय श्रेणी चेयर कार और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन।

■ आरक्षण- ट्रेन संख्या 01039, 01040 और 01041के लिए बुकिंग सभी पीआरएस केंद्रों और आईआरसीटीसी वेबसाइट (www.irctc.co.in) पर खुली है। अनारक्षित कोचों के लिए सामान्य शुल्क पर बुकिंग यूटीएस के माध्यम से की जा सकती है। इन विशेष ट्रेनों के ठहराव एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें। मध्य रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि कृपया इस पर ध्यान दें।

खतरनाक मजाक : दोस्त के गुप्तांग में भरी हवा, हालत गंभीर

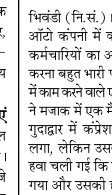

भिवंडी (नि.सं.)। भिवंडी के एक ऑटो कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों का आपस में मजाक करना बहुत भारी पड़ गया. कंपनी में काम करने वाले एक इलेक्ट्रीशियन ने मजाक में एक मैकेनिक के पीछे गुदाद्वार में कंप्रेशर से हवा भरने लगा, लेकिन उसके पेट में इतनी हवा चली गई कि उसका पेट फूल गया और उसकी हालत खराब हो गई. गंभीर हालत में युवक को मुंबई के सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है. इस मामले में पड़पा पुलिस कंपनी एचआर सचिन भोईर, मैनेजर अभिषेक नाईक एवं आरोपी युवक मो. जिया अंसारी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज करने के लिए पुलिस पीड़ित के परिवार का इंतजार कर रही थी।

बतादें कि मुंबई-नासिक हाइवे पर पड़पा टोलनाका के पास तलवली नाका से बापगांव रोड पर डीएचएल कंपनी के सामने आयशर कंपनी का वर्कशॉप है, जिसमें नई गाड़ियां बिकती हैं और पुरानी गाड़ियों की मरम्मत की जाती है. इस कंपनी में रौबीनगर का रहने वाला साकिब अंसारी (21) मैकेनिक का काम करता है. इसी कंपनी में कानपुर का रहने वाला मो. जिया अंसारी इलेक्ट्रीशियन का काम करता है. मंगलवार को साकिब अंसारी खड़ा होकर किसी गाड़ी के इंजन का काम कर रहा था. उसी समय उसका दोस्त मो. जिया आया और मजाक में कंप्रेशर से उसके पीछे गुदाद्वार में हवा भरने लगा. उसे अंदाजा नहीं था कि उसके इस मजाक का नतीजा इतना भयंकर होगा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कपड़े के ऊपर से कंप्रेशर से उसके गुदाद्वार के माध्यम में भरी गई हवा उसके पेट में चली गई. पेट में हवा इतनी अधिक हो गई कि उसका पेट फूल गया और दर्द के कारण वह गाड़ी पर गिर पड़ा और बेहोश हो गया.उसे पड़पा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया, जहां उसके पेट से हवा निकालने का प्रयास किया गया. हवा निकालने के दौरान उसके गुदाद्वार से खून आने लगा, जिसके कारण उसे मुंबई के सायन अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है. पेट में ज्यादा हवा जाने के कारण उसकी बड़ी आंत एवं छोटी आंत पंक्चर हो गई. सूत्र बताते हैं कि अस्पताल में लगभग छह घंटे का ऑपरेशन चला. पेट से हवा निकाल ली गई है, लेकिन उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पड़पा पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर जितेंद्र ठाकुर ने बताया कि पूछताछ की जा रही है. पीड़ित परिवार के आने के बाद शिकायत दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में 4 एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टेशन बदले जाएंगे

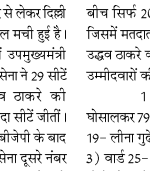

मुंबई (नि.स.)। मुंबई की लोकल ट्रेनों से यात्रा करने वाले मुंबईकरों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम खबर सामने आई है। रेलवे बोर्ड ने लोकल ट्रेन सेवाओं को तेज़ करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। कुर्ला और सीएसएमटी के बीच सबसे व्यस्त और तकनीकी रूप से जटिल स्ट्रेच पर दबाव कम करने के लिए, चार लंबी दूरी की ट्रेनों के टर्मिनल को लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) में शिफ्ट करने की मंज़ूरी दे दी गई है।

मध्य रेलवे पर कुर्ला से सीएसएमटी तक का स्ट्रेच रेलवे नेटवर्क में सबसे 'सैचुरेटेड' रूट माना जाता है, जिसका मतलब है कि इसका इस्तेमाल इसकी क्षमता से ज़्यादा होता है। चूंकि इस रूट पर लोकल और लंबी दूरी की ट्रेनें एक ही ट्रैक का इस्तेमाल करती हैं, इसलिए अक्सर ट्रैफिक जाम हो जाता है। खासकर सुबह और शाम को पीक आवर्स में, अगर कोई लंबी दूरी की ट्रेन लेट होती है, तो इसका सीधा असर लोकल ट्रेन के शेड्यूल पर पड़ता है। इस समस्या को हल करने के लिए, रेलवे ने इन ट्रेनों के टर्मिनल बदलने का फैसला किया है। रेलवे बोर्ड के फैसले के अनुसार, चार ट्रेनें- 22629 दादर-तिरुनेलवेली, 16331 सीएसएमटी-तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस, 16351 सीएसएमटी-नागरकोइल (पूर्व) और 16339 सीएसएमटी-नागरकोइल (पश्चिम)- अब सीएसएमटी या दादर के बजाय एलटीटी से चलेंगी। इस बीच, इस बदलाव से शहर के इलाके में आने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों की संख्या कम हो जाएगी, जिससे लोकल ट्रेनों के लिए ज़्यादा रास्ते उपलब्ध होंगे। जब रेलवे सिस्टम किसी तकनीकी खराबी से उबर रहा होता है, तो ऐसे बदलावों से लोकल ट्रेनों को वापस पटरी पर लाना आसान हो जाता है। रेलवे प्रशासन को उम्मीद है कि इस फैसले से भविष्य में मध्य रेलवे की सेवाएं ज़्यादा कुशल और समय पर होंगी।

मुंबई-वडोदरा महामार्ग पर लामज एंट्री-एग्जिट के लिए 132 करोड़ का टेंडर जारी

भिवंडी (नि.सं.)। भिवंडी तालुका से गुजरने वाले मुंबई-वडोदरा महामार्ग का उपयोग स्थानीय निवासी कर सकें इसके लिए लामज में 'एंट्री-एग्जिट' पॉइंट की मांग शुरुआत से ही सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा द्वारा की जा रही थी। केंद्र सरकार के समक्ष इस मांग को मजबूती से रखने के बाद केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने इसे मंजूरी दे दी है। अब भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण ने इस कार्य के लिए 132.28 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। इसकी मांग के लिए संघर्ष समिति ने सांसद बाल्या मामा से संपर्क किया था। इसके बाद सांसद ने समिति के सदस्यों के साथ केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की, जिसके बाद सांसद लगातार इस विषय को लेकर प्रयास करते रहे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद फंड मंजूर किया गया, जिसके बाद 16 जनवरी को एनएचएआई ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी। इस एग्जिट पॉइंट से भिवंडी के नागरिकों का सफर और अधिक आसान और आरामदायक हो जाएगा। इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास को बड़ी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। सांसद म्हात्रे ने कहा कि "मैंने इस मांग को लगातार केंद्र के सामने रखा था। अंतत: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया और अब निविदा भी जारी हो गई है। इसके लिए मैं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी का आभार व्यक्त करता हूं।"

नूडल्स में चिकन पीस नहीं होने की शिकायत पर दुकानदार ने फोड़ा महिला का नाक

नवी मुंबई (नि.सं.)। खाने-पीने के शौकीनों के लिए एक चौंकाने वाली खबर पनवेल से सामने आई है, जहां एक महिला को नूडल्स में चिकन के पीस न होने की शिकायत करना भारी पड़ गया. न्यू पनवेल के सेक्टर 15 स्थित एंजॉय स्नैक्स एंड चाइनीज सेंटर पर हुई इस भिड़ंत ने अब पुलिसिया कार्रवाई का रूप ले लिया है।

पुलिस के मुताबिक, मामले की शुरुआत तब हुई जब फॉर्च्यून बेल्हेजा की निवासी निकिता मंडल ने स्विगी के जरिए ऑनलाइन चिकन नूडल्स ऑर्डर किए थे. जब पार्सल घर पहुंचा, तो निकिता ने पाया कि नूडल्स में चिकन के टुकड़े ही गायब हैं. अपनी इसी शिकायत को लेकर जब वह दुकान पर पहुंचीं और मालकिन ललिता राजेंद्र प्रसाद से जवाब मांगा, तो बात सुलझने के बजाय बिगड़ गई. बहस इतनी बढ़ी कि आरोपी महिला दुकानदार ने अपना आपा खो दिया और गाली-गलौज शुरू कर दी. गुस्से में आकर ललिता ने चाइनीज बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बड़े लोहे के पलटे से निकिता के चेहरे पर जोरदार प्रहार कर दिया. यह हमला इतना सटीक और तेज था कि निकिता की नाक पर गहरी चोट आई. घटना के बाद पीड़ित महिला ने खांदेश्वर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है. फिलहाल पुलिस ने आरोपी को नोटिस जारी कर आगे की जांच शुरू कर दी है।